mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-59 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

30 अगस्त 2025 शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

# दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

एशिया कप से पहले @ पेज 7

## चंद्रपुर जिले में तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो रिक्शा की टक्कर, 6 लोगों की मौत

**मुंबई, एजेंसी।** चंद्रपुर जिले के राजुरा तहसील के कपागांव के पास में शुक्रवार को सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक और एक ऑटो रिक्शा के बीच हुई टक्कर में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए हैं, जिनका इलाज चंद्रपुर के जिला अस्पताल में हो रहा है।

पुलिस के अनुसार आज सुबह तेज रफ्तार ट्रक राजुरा से खमोना-पचगांव जा रहा था, जबकि रिक्शा विपरीत दिशा में गडचंदूर से राजुरा आ रहा था। अचानक कपागांव के पास तेजरफ्तार ट्रक और रिक्शा टकरा गए। इससे इस घटना में प्रकाश मेश्राम (48), रवींद्र बोबड़े (48), शंकर पिपरे (50), तनु पिंपलकर (16), ताराबाई पप्पुलवार (50 ) और वर्षा मंडाडे (50) की मौके पर ही मौत हो गई है। इस घटना में गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को इलाज के लिए चंद्रपुर के जिला सामान्य अस्पताल भेजा गया है।

## सियासी लॉबी वाले जजों के चेहरे से नकाब हटाना जरूरी

### सुदर्शन रेड्डी को लेकर न्यायपालिका में मतभेद

**नई दिल्ली,एजेंसी।** विपक्षी गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी.सुदर्शन रेड्डी के मुद्दे पर भारतीय न्यायपालिका दो धड़ों में बंटती दिखाई दे रही है। दरअसल सुदर्शन रेड्डी को लेकर अमित शाह ने जो बयान दिया था, उस पर कुछ रिटायर्ड जजों ने आपत्ति जताई थी। अब उन जजों के जवाब में 56 अन्य पूर्व जजों ने खुला पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि राजनीतिक बयानों से न्यायपालिका की गरिमा को नुकसान हो रहा है। 23वें लॉ कमीशन के सदस्य हितेश जैन ने भी सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करने वाले पूर्व जजों के प्रति नाराजगी जाहिर की है और सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। इस पोस्ट में हितेश जैन ने लिखा कि हाल ही में जस्टिस अभय ओका के कुछ इंटरव्यू पढ़े और मुझे बिल्कुल भी हैरानी नहीं हुई कि उन्होंने भी जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में लिखे पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

**राजनीतिक कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे रिटायर्ड जज**–हितेश जैन ने लिखा कि ऐसा ट्रेंड चल रहा है कि ज्यादा से ज्यादा रिटायर्ड जज खुलकर राजनीतिक कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं और ये बात मुझे परेशान करती है। हितेश जैन ने कई पूर्व जजों के नाम लेकर दावा किया कि न्यायिक आजादी के सैद्धांतिक रुख के बजाय, ये जज पक्षपाती हो रहे हैं। जैन ने लिखा न्यायिक आजादी, प्रेस कॉन्फ्रेंस करने, इंटरव्यू देने या पक्षपाती पत्रों के जरिए सुरक्षित नहीं रहती, बल्कि इसके लिए जिला अदालतों और मजिस्ट्रेट अदालतों की हर दिन की कार्यवाही देखी जाती हैं, जहां लाखों लोगों के भाग्य का फैसला होता है।

## आतंकवाद के खिलाफ मानवता की जीत का स्वर्णिम अध्याय है ऑपरेशन सिंदूर, राष्ट्रपति मुर्मू का बयान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ मानवता की लड़ाई का एक स्वर्णिम अध्याय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस और रिपोर्टिंग प्रणाली के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के योगदान की तारीफ की। आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

**लाभ कमा रहे सार्वजनिक उद्यम :** स्कोप एमिनेंस अवार्ड्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने साल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भूमिका पर बात की। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने राजस्व और लाभ सहित प्रमुख वित्तीय मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि तीन-चौथाई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम लाभ कमा रहे हैं, और पिछले दशक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का शुद्ध लाभ काफी बढ़ा है।

### ऑपरेशन सिंदूर में आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम की रही अहम भूमिका

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सार्वजनिक उद्योगों ने सुशासन और पारदर्शिता के क्षेत्र में मानक स्थापित किए हैं। राष्ट्रपति ने मेक इन इंडिया अभियान की अहमियत पर कहा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। देश के रक्षा क्षेत्र का विशेष उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी शिविरों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया और भारत पर हमले के प्रयासों को विफल कर दिया। स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने अचूक क्षमता का प्रदर्शन किया। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने इस प्रणाली के निर्माण में योगदान दिया है। यह उनके लिए बहुत गर्व की बात है।

**विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रहे सार्वजनिक उद्यम**–राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि नवाचार और भारत की बढ़ती तकनीकी विशेषज्ञता से राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का बड़ा योगदान है।

## हिमाचल के चंबा में लैंडस्लाइड, 11 लोगों की मौत

### मणिमहेश यात्रा पर निकले थे; उत्तराखंड के 3 जिलों में बादल फटा, कई लापता

**नई दिल्ली,एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भरमौर में भारी बारिश के बीच मणिमहेश यात्रा पर निकले 11 श्रद्धालुओं की लैंडस्लाइड में मौत हो गई है। मृतकों में 3 पंजाब, 1 उत्तर प्रदेश और 5 चंबा के रहने वाले हैं। दो लोगों की अभी पहचान नहीं हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, लोगों की मौतें पहाड़ से पत्थर गिरने और ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई है। भरमौर में करीब 3 हजार मणिमहेश श्रद्धालु फंसे हैं, जिनका रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पिछले सप्ताह लैंडस्लाइड में 7 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। 9 लापता हो गए थे।

दूसरी तरफ, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली और टिहरी गढ़वाल जिले में गुरुवार रात बादल फटने से कई लोग लापता हैं। रुद्रप्रयाग के एसपी अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने बताया कि प्रभावित इलाकों से 70 से ज्यादा लोगों को निकाला गया है। एक महिला की मौत हुई है। 4 नेपाली और 4 स्थानीय सहित आठ मजदूर मलबे में दबे हैं। रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर है। रिहायशी इलाकों में भी पानी घुस गया है। बद्रीनाथ हाईवे अलकनंदा नदी में डूब गया है, जिससे श्रीनगर-रुद्रप्रयाग के बीच आवाजाही रुक गई है। केदारनाथ घाटी के लावारा गांव में मोटर मार्ग पर बना एक पुल भी तेज बहाव में बह गया। चमोली में भी कई परिवारों के मलबे में फंस होने की आशंका हैं। अचानक आई बाढ़ के पानी में बड़े-बड़े पत्थरों से कई घरों को भी

### पंजाब में बाढ़ से अब तक 6 लोगों की मौत, 3 लापता

पंजाब के 7 जिले, पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, फाजिल्का, कपूरथला का सुल्तानपुर लोधी और होशियारपुर पिछले तीन दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। यहां के 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ के कारण अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। 3 लोग लापता हैं। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली, देहरादून और बागेश्वर में रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली, देहरादून और बागेश्वर जिलों में शुक्रवार दोपहर के बाद भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।

### ओडिशा में 100 गांव लगातार 5वें दिन भी बाढ़ के पानी में डूबे

ओडिशा में बारिश रुकने से प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया है। इसके बावजूद, बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिलों के लगभग 100 गांव शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन भी बाढ़ के पानी में डूबे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि गांवों में करीब 30,000 लोग बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं। बालासोर के बलियापाल और भोगराई ब्लॉक के 80 गांव करीब 4 फीट ऊंचे बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं, जबकि जाजपुर जिले के दशरथपुर ब्लॉक के 14 अन्य गांवों में भी ऐसी ही स्थिति है।

## मुजफ्फरपुर में एके-47 राइफल पहुंचाने वाला मंजूर खान पकड़ा गया

### नगालैंड से बिहार सप्लाई करता था घातक हथियार

**नई दिल्ली ,एजेंसी।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मुजफ्फरपुर में एके-47 राइफल और गोला-बारूद जब्ती मामले में एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस केस में जांच एजेंसी, लंबे समय से उक्त आरोपी को पकड़ने की कोशिश कर रही थी। मंजूर खान उर्फ बाबू भाई, यही वो आरोपी है, जो नागालैंड से बिहार तक, घातक हथियारों की सप्लाई करता था। गोला बारूद भी उसी के द्वारा मुजफ्फरपुर तक पहुंचाया जाता था। एनआईए के मुताबिक, मंजूर खान उर्फ बाबू भाई, मुख्य आरोपी विकास कुमार का करीबी सहयोगी था। यह आरोपी उस दल का सक्रिय सदस्य था, जो नागालैंड से बिहार तक एके-47 राइफल सहित प्रतिबंधित बोर के अत्याधुनिक हथियारों की तस्करी करता था। एनआईए की जांच से पता चला है कि मंजूर ने अपने सह-आरोपियों के साथ मिलकर सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को भंग करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के इरादे से प्रतिबंधित हथियारों की तस्करी की साजिश रची थी।अगस्त 2024 में मामले की जांच अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने जांच के दौरान मंजूर की इस साजिश में अहम भूमिका का खुलासा किया था। यह मामला मूल रूप से फकुली पुलिस द्वारा मुर्घटिया पुल पर लेंस और गोला-बारूद सहित एक एके-47 राइफल की बरामदगी के बाद दर्ज किया गया था। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था और उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। जांच अपने हाथ में लेने के बाद, एनआईए ने चारों आरोपियों - विकास कुमार, सत्यम कुमार, देवमणि राय और अहमद अंसारी के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी और यूए(पी) एक्ट की धारा 13 और 18 के तहत पहला पूरक आरोप पत्र भी दाखिल किया। फिलहाल इस मामले आरसी-11/2024/एनआईए/डीएलआई के तहत जांच अभी जारी है।

## राहुल की यात्रा में पीएम को गाली बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े

### पटना में चले लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर; गाली देने वाला आरोपी गिरतार

**पटना, दरभंगा,एजेंसी।** राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी को गाली देने के मामले में शुक्रवार को पटना में बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़ गए।

बीजेपी कार्यकर्ता कांग्रेस ऑफिस के बाहर प्रदर्शन के लिए पहुंचे थे। वो राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। थोड़ी देर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते दोनों पार्टी के लोग आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। कई गाड़ियों में भी तोडफ़ोड़ की गई है। बवाल के बाद पुलिस ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को वहां से खदेड़ा। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जमीन पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। 30 मिनट चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने सभी कांग्रेसियों को सड़क से हटाकर जाम खुलवाया। इस मामले में केंद्रीय गृहमंत्री का बयान आया है। उन्होंने कहा- राहुल गांधी की यात्रा में पीएम मोदी की माताजी के लिए अपशब्द बोलकर कांग्रेस ने सबसे घृणित काम कांग्रेस ने किया है।

जिस प्रकार की राजनीति राहुल गांधी ने शुरू की है, वो हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी। ये आज से नहीं है, नरेंद्र मोदी जब से पीएम बने तब से सोनिया-राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री को गालियां दी हैं। राहुल गांधी ने X पर लिखा- सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। नीतीश कुमार ने X लिखा- ये घटना अत्यंत अशोभनीय है। मैं इसकी निंदा करता हूं।

पीएम को गाली देने के मामले में दरभंगा पुलिस ने गुरुवार देर रात रिजवी उर्फ राजा नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के भपुरा गांव का रहने वाला है। मो. रिजवी पिकअप ड्राइवर है।

इस मामले में बीजेपी ने पटना के गांधी मैदान थाने में FIR के लिए आवेदन दिया है। भाजपा प्रवक्ता दानिश इकबाल और कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण सिंह ने राहुल गांधी के खिलाफ थाने में शिकायत दी है। हालांकि केस दर्ज नहीं हुआ है।

### शाह बोले- पीएम को जितनी गाली दोगे उतना कमल खिलेगा

## कहा- राहुल में थोड़ी भी शर्म है तो मोदीजी और उनकी मां से माफी मांगें

**गुवाहाटी,एजेंसी।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पीएम मोदी और उनकी मां को गाली देने के मामले में असम में कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने शुक्रवार को गुवाहाटी में कहा- बिहार में कांग्रेस ने पीएम मोदी की मां को अपशब्द कहे। इनके दूषित प्रयास को देखकर मुझे मालूम है, इन्हें जनता का समर्थन नहीं है। शाह ने कहा- मोदीजी की माताजी का जीवन गरीब घर में अपनी सभी संतानों को संस्कारी करके बड़ा करने में बीता। उनका बेटा पूरे विश्व में ख्याति पा रहा है। राहुल गांधी को थोड़ी भी शर्म है तो मोदी जी और उनकी दिवंगत मां के लिए कहे गए अपशब्दों पर माफी मांगें।

अमित शाह असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं, वे राजभवन के नवनिर्मित ब्रह्मपुत्र विंग समेत कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

**शाह की स्पीच की 4 बड़ी बातें, कहा- जितनी गालियां दोगे, उतना कमल खिलेगा :** भारत की राजनीति में, कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने जिस प्रकार से घृणा और तिरस्कार की नकारात्मक राजनीति की शुरुआत की है। उसका निम्न स्तर का एक प्रदर्शन उनकी घुसपैठिया बचाओ यात्रा में देखने को मिला। यात्रा में राहुल गांधी के स्वागत के मंच से नरेंद्र मोदी जी की स्वर्गीय माताजी के लिए अपशब्द बोलकर सबसे क्रूरित काम किया है। मैं आज इस मंच से राहुलजी ने जिस प्रकार से घृणा की राजनीति शुरू की है। उसकी और पीएम मोदी की स्व. माताजी के लिए जो अपशब्द कहे गए, उसकी हृदय से निंदा करता हूं। मैं देश को कहना चाहता हूं कि वो हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी, गर्त में ले जाएगी।

### गोपालगंज में वोटर अधिकार यात्रा, राहुल को बांधी पगड़ी

## काफिले में हाथी-घोड़ा, ऊंट शामिल; तेजस्वी यादव के हाथ में लगी चोट

**बेतिया,गोपालगंज, एजेंसी।** बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का आज 13वां दिन है। राहुल बेतिया होते हुए गोपालगंज पहुंचें। यहां वे तेजस्वी यादव के साथ रोड शो कर रहे है। बेतिया में उन्होंने ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। चनपटिया से शुरू हुई यात्रा हरि वाटिका चौक पहुंची, जहां गांधी जी की प्रतिमा पर माला चढ़ाकर उन्हें नमन किया। यात्रा में समर्थकों से मिलने के दौरान तेजस्वी यादव के हाथ में चोट लगी है। गाड़ी के गेट में उनका हाथ दब गया, जिससे उन्हें हल्की चोट आई। 29 अगस्त को सुबह यात्रा शुरू हुई तो 100 घोड़ों का काफिला भी इसमें शामिल हुआ। साथ ही हाथी-ऊंट भी हैं। प्रदेश में जारी अलर्ट के बीच राहुल की यात्रा की सुरक्षा में 400 जवान तैनात हैं। राहुल गांधी को कांग्रेस नेता अभिषेक रंजन ने नीली पगड़ी बांधी। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया को इस पूरी यात्रा का प्रभारी बनाया गया है। 1 सितंबर को पटना में यात्रा खत्म होगी।

## मुख्य न्यायाधीश ने नए सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीशों को दिलाई शपथ, जजों की कुल संख्या 34 हुई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को शपथ दिलाई। दोनों न्यायाधीशों को 27 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया था। उनकी पदोन्नति के साथ सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित 34 न्यायाधीशों की पूर्ण कार्य क्षमता फिर से पूरी हो गई। जस्टिस जॉयमाल्या बागची के 2 अक्तूबर, 2031 को सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति पंचोली अक्तूबर 2031 में मुख्य न्यायाधीश बनने की कतार में होंगे। उनके 3 अक्तूबर, 2031 को मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण करने और 27 मई, 2033 को सेवानिवृत्त होने का अनुमान है।

**कॉलेजियम के एकमत न होने की थ्योरी क्या?** इससे पहले 25 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने केंद्र को न्यायमूर्ति अराधे और न्यायमूर्ति पंचोली के नामों की शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के

रूप में पदोन्नति के लिए सिफारिश की थी। हालांकि, कॉलेजियम सदस्य और सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने न्यायमूर्ति पंचोली को शीर्ष न्यायालय में पदोन्नत करने की सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम की सिफारिश पर कड़ी असहमति दर्ज की और कहा कि उनकी नियुक्ति न्यायपालिका के लिए प्रतिकूल होगी। शीर्ष न्यायालय की एकमात्र महिला न्यायाधीश, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी असहमति दर्ज की थी। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अपनी असहमति में कहा था कि उनकी नियुक्ति को आगे बढ़ाने से कॉलेजियम प्रणाली की बची-खुची विश्वसनीयता खत्म हो सकती है।

**जस्टिस आलोक अराधे–** 13 अप्रैल, 1964 को जन्मे न्यायमूर्ति अराधे 12 जुलाई, 1988 को अधिवक्ता के रूप में नामांकित किया गया। उन्होंने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में दीवानी एवं संवैधानिक, मध्यस्थता और कंपनी मामलों में वकालत की। अप्रैल 2007 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति अराधे को 29 दिसंबर, 2009 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश और 15 फरवरी, 2011 को स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया। उन्हें जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया और 20 सितंबर, 2016 को उन्होंने शपथ ली। उन्हें 11 मई, 2018 को जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति अराधे को कर्नाटक उच्च न्यायालय स्थानांतरित किया गया, जहां उन्होंने 17 नवंबर, 2018 को न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्होंने 3 जुलाई, 2022 को कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला और 14 अक्तूबर, 2022 तक इस पद पर कार्यरत रहे।

# चिंताजनकः दिल्ली में वायु प्रदूषण से लोगों की आयु 8.2 वर्ष घट जाएगी, शिकागो विश्वविद्यालय की रिपोर्ट में दावा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना हुआ है। वायु प्रदूषण का यही स्तर रहा तो लोगों की औसत आयु 8.2 वर्ष घट जाएगी। शिकागो विश्वविद्यालय की वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक (एक्यूएलआई) रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में औसत सूक्ष्म कण पदार्थ (पीएम 2.5) का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशा-निर्देश से 20 गुना अधिक है।

2023 में शहर में पीएम 2.5 की मात्रा 111.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी। यह डब्ल्यूएचओ की तय सीमा 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 22 गुना अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जहरीली हवा के कारण दिल्लीवासियों की जीवन प्रत्याशा में सबसे अधिक कमी आई है, जो विश्व के किसी भी अन्य शहर की तुलना में अधिक है।

दिल्ली समेत सिंधु-गंगा का मैदानी क्षेत्र सबसे प्रदूषित है। यहां वायु प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सबसे ज्यादा हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदूषित हवा से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने के लिए वाहनों से होने वाले उत्सर्जन पर नियंत्रण, औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की समस्या से निपटना बेहद जरूरी है।

शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (ईपीआईसी) ने 2025 की एक्यूएलआई रिपोर्ट तैयार की गई है। उपग्रह से प्राप्त पीएम2.5 आंकड़ों के आधार पर यह वैश्विक और क्षेत्रीय प्रदूषण के स्तर और मानव स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव का आकलन करती है।

**पर्यावरणीय मुआवजे की उचित गणना के लिए एसओपी जारी :** पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का आकलन करने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने उल्लंघन के कारण निर्माण व विध्वंस परियोजनाओं को बंद करने का आदेश दिया है।

इसमें राज्य प्रदूषण बोर्डों से मुआवजा लगाने से पहले निरीक्षण और विश्वसनीय साक्ष्यों के माध्यम से उल्लंघन के दिनों की वास्तविक संख्या की पुष्टि करने को कहा गया था। 29 जुलाई को आयोग ने आगे निर्देश दिया कि शुल्कों की यथार्थवादी और निष्पक्ष गणना सुनिश्चित करने के लिए परियोजना समर्थकों की तरफ से प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्यों पर भी विचार किया जाए।

## फर्जी ई-वाउचर से खरीदे सोने के सिक्के, दो गिरफ्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने ज्वेलर के शो रूम में फर्जी ई-वाउचर देकर सोने के सिक्के खरीदने वाले दो जालसाजों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 10 ग्राम के दो सोने के सिक्के और साढ़े 54 हजार रुपये बरामद किए हैं। आरोपी पर पहले से जयपुर में इसी तरह की ठगी का मामला दर्ज है।

मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि 25 अगस्त को दो लोग पूसा रोड स्थित जॉयअलुक्कास गोल्ड शोरूम पहुंचे। वहां उनलोगों ने ई-वाउचर से दो लाख रुपये कीमत के दो सोने के सिक्के खरीदे। अगले दिन वह फिर ठगी की मंशा से उसी शोरूम में पहुंचे। इस बार उनलोगों ने आठ लाख रुपये का फर्जी ई-वाउचर लेकर गए थे। शोरूम के कर्मचारियों को उनपर शक हुआ। उन्होंने वाउचर की जांच की। जिसमें पता चला कि वाउचर नकली हैं। शोरूम के कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची राजेंदर नगर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान सीकर राजस्थान निवासी महेंद्र सिंह और जयपुर राजस्थान निवासी संदीप सिंह राठौर के रूप में हुई। पूछताछ में उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी जयपुर में शशांक नाम के एक व्यक्ति से मिले थे।

## दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर सुबह के समय सेवाएं प्रभावित, स्टेशनों पर लगी यात्रियों की भारी भीड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विश्वविद्यालय से केंद्रीय सचिवालय तक येलो लाइन के एक हिस्से पर दिल्ली मेट्रो सेवाएं शुक्रवार सुबह दफ्तर और स्कूल समय के दौरान बाधित रहीं। जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा हुई। इस दौरान स्टेशनों पर काफी संख्या में यात्रियों की भीड़ देखने को मिली। अधिकारियों के अनुसार, विश्वविद्यालय और केंद्रीय सचिवालय स्टेशनों के बीच ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जबकि नेटवर्क के अन्य सभी मार्गों पर सामान्य सेवाएं जारी हैं। कई यात्रियों ने शिकायत की कि विश्वविद्यालय से जीटीबी नगर तक की यात्रा का समय, जो आमतौर पर कुछ ही मिनट का होता है, वह लगभग 50 मिनट तक बढ़ गया। कई लोगों ने कहा कि देरी के कारण उन्हें समय पर दफ्तर और स्कूल पहुंचने में परेशानी हो रही है। डीएमआरसी ने कहा कि सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं और प्रभावित खंड पर सुचारू परिचालन बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

## दिल्ली में अब खतरे के निशान से नीचे यमुना, बाढ़ क्षेत्र के सीमांकन पर एनजीटी ने मांगी रिपोर्ट

**दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार के बाद शुक्रवार को भी खतरे के निशान से नीचे रहा। कल शाम छह बजे पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर 205.07 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 205.22 मीटर है। वहीं, हथिनी कुंड बैराज से 30504 क्यूसेक, वजीराबाद बैराज से 43690 क्यूसेक और ओखला बैराज से 48773 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बुधवार रात 8 बजे नदी का जलस्तर 205.35 मीटर तक पहुंच गया था। केंद्रीय जल आयोग ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी रखने और आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह दी है। अधिकारियों के अनुसार, स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सभी संबंधित एजेंसियों को एहतियाती कदम उठाने के लिए कहा गया है। केंद्रीय बाढ़ कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि चेतावनी का निशान 204.50 मीटर है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम 206 मीटर तक जलस्तर पहुंचने पर शुरू होता है। बैराजों से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं।

**यमुना बाढ़ क्षेत्र के सीमांकन पर एनजीटी ने मांगी रिपोर्ट :** एनजीटी ने दिल्ली सरकार और डीडीए को यमुना बाढ़ क्षेत्र के 22 किलोमीटर के इलाके के सीमांकन से जुड़े मानदंडों की जानकारी के साथ ताजा रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। बृहस्पतिवार को अदालत ने 10 दिनों के अंदर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 11 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने 12 अगस्त को दाखिल की गई रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लिया। इसमें कुछ इलाकों में 100 साल में एक बार बाढ़ आने का जिक्र किया गया है। उन्होंने कहा कि गंगा व सहायक नदियों के नजीटी ने आदेश दिया था।

## दिल्ली में देह व्यापार का खुलासाः नाबालिग लड़कियों से कराया जा रहा था गंदा काम, आपत्तिजनक सामान बरामद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की सूचना पर स्वरूप नगर इलाके में चल रहे देह-व्यापार का खुलासा किया है। यहां एक महिला अपने साथियों के साथ मिलकर नाबालिग लड़कियों से देह-व्यापार करवा रही थी। पुलिस ने छापेमारी करते हुए महिला समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

मौके से पुलिस ने 15 साल की एक किशोरी व गर्भवती महिला समेत कुल चार महिलाओं को मुक्त कराया है। पकड़े गए आरोपियों में तीन ग्राहक भी शामिल हैं। पुलिस ने जबरन देह-व्यापार कराने, पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को मौके से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुआ है।

बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस हरेश्वर स्वामी ने बताया कि बुधवार को एक एनजीओ के ज्योति और शिवम ने पुलिस को एक मकान में नाबालिगों से जबरन देह-व्यापार कराने की सूचना दी थी। इन्होंने बताया कि गली नंबर-3, स्वरूप नगर में देह-व्यापार का धंधा चल रहा है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन किया गया।

एनजीओ का शिवम नकली ग्राहक बनकर देह-व्यापार के अड्डे पर पहुंचा। वहां उसने एक दलाल को एक हजार रुपये ऑन लाइन दे दिए। इसके बाद उसने पुलिस टीम को इशारा कर दिया। टीम मौके पर पहुंची तो वहां भारती (50) नामक महिला, इसके सहयोगी देवेश यादव (40) और अर्जुन कुमार मिले।

इसके अलावा तीन ग्राहक साजिद, अखिलेश और रजनीश भी वहां पर मौजूद थे। पुलिस ने इन सभी छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने देह-व्यापार के अड्डे से 15 साल की किशोरी, 25 साल की गर्भवती महिला, 35 और 52 साल की महिलाओं को मुक्त कराया। इनसे जबरन देह-व्यापार कराया जा रहा था।

मुक्त कराई लड़कियों ने बताया कि भारी, देवेश और अर्जुन ने इनको देह-व्यापार के लिए बुलाया था। पुलिस को भारी मात्रा में यहां से आपत्तिजनक सामान के अलावा एक डायरी मिली है। इसमें देह-व्यापार का हिसाब-किताब लिखा हुआ है। पुलिस इनसे पूछताछ कर पता लगा रही है कि कब से यह लोग देह-व्यापार का रैकेट चला रहे थे।

## देवी बस सेवा हुई ग्लोबल... ओस्लो में चलाने की तैयारी, दिल्ली आए विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने की यात्रा

**दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली सरकार की सामुदायिक ई-बस सेवा देवी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोर रही है। नॉर्वे की राजधानी ओस्लो ने इसे सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में लागू करने पर विचार शुरू कर दिया है। इस दिशा में दिल्ली सचिवालय में बृहस्पतिवार को परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह और नार्वे प्रतिनिधिमंडल के बीच उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में नॉर्वे दूतावास से लिन सीरी बेंजामिंसन, ओस्लो जलवायु विभाग के उप निदेशक ऑडन गारबर्ग और नॉर्वेजियन ईवी एसोसिएशन के मार्कस निल्सेन रोटेवाल ने देवी बस सेवा की जानकारी जुटाई। दिल्ली सरकार की ओर से 650 ई-बसों और देवी सेवा के विस्तार के लिए प्रस्तुति दी गई। बैठक के बाद ओस्लो प्रतिनिधिमंडल ने देवी बस में यात्रा भी की। इस मौके पर उप निदेशक गारबर्ग ने कहा कि किफायती किराया लास्टमाइल कनेक्टिविटी का व्यावहारिक समाधान है। ओस्लो इस बस सेवा को अपनाना चाहेगा। उन्होंने डॉ. पंकज कुमार सिंह को नॉर्डिक ईवी समिट-2026 में भाषण देने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। वहीं, नॉर्वेजियन ईवी एसोसिएशन ने बताया कि वहां अपार्टमेंट ब्लॉकों में चार्जिंग पॉइंट लगाने का कानूनी अधिकार देने पर बड़े पैमाने पर ईवी अपनाने में सफलता मिली। इधर, परिवहन मंत्री ने कहा कि 2026 के अंत तक पूरी डीटीसी बस सेवा इलेक्ट्रिक होगी। इसके अलावा शून्य-उत्सर्जन कंक्रीट मिक्सर, स्कूल बस और कचरा ट्रक सर्दियों में प्रदूषण आधा कर सकते हैं। दिल्ली इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है। बैठक में दोनों पक्षों ने बैटरी रीसाइक्लिंग को ईवी इको-सिस्टम की सबसे बड़ी चुनौती बताया।

## ट्रंप के सलाहकार नवारो बड़बोलेपन से नहीं आ रहे बाज, बोले- भारत पर टैरिफ लगाकर रूस की लाइफलाइन काट रहे

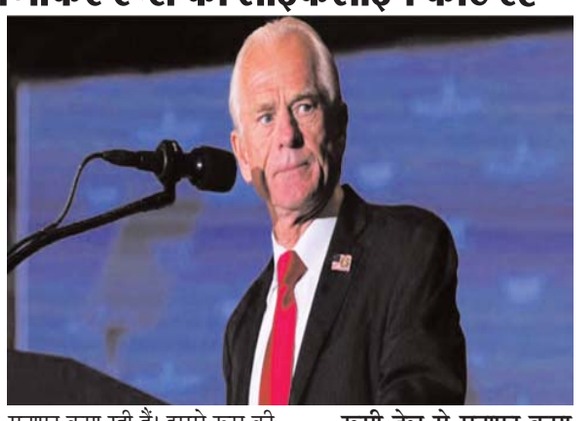

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो अपनी बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं और लगातार भारत पर हमला बोलते हुए 50 प्रतिशत टैरिफ को जायज ठहरा रहे हैं। पीटर नवारो ने सोशल मीडिया पर साझा कई पोस्ट में आरोप लगाया कि भारत, रूस से तेल खरीदकर फायदा उठा रहा है।

**भारत पर टैरिफ रूस की वॉर मशीन की लाइफलाइन काटने जैसाः** पीटर नवारो ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप का भारत से आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला लागू हो गया है। यह रूसी राष्ट्रपति पुतिन की वॉर मशीन की लाइफलाइन काटने जैसा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी उपभोक्ता ऊंची टैरिफ दरों के बावजूद भारतीय सामान खरीद रहे हैं। वहीं भारत उसी डॉलर का इस्तेमाल कर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है। पीटर नवारो ने बिना किसी आधार के भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय रिफाइनरीज, अपने रूसी सहयोगियों के साथ मिलकर कच्चे तेल को रिफाइन करके फिर से ब्लैक मार्किट में बेचकर तगड़ा मुनाफा कमा रही हैं। इससे रूस की जेब में नकदी आ रही है, जो यूक्रेन युद्ध में रूस को वित्तपोषित कर रही है। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार नवारो यहीं नहीं रुके और अन्य ट्वीट में लिखा कि यूक्रेन युद्ध से पहले भारत, रूस से एक प्रतिशत से भी कम कच्चे तेल का आयात करता था, आज वह आयात बढ़कर 30 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है, जो करीब 15 लाख बैरल प्रतिदिन है। यह बढ़ोतरी घरेलू मांग की वजह से नहीं हुई है बल्कि इससे भारतीय तेल कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं, जिसकी कीमत यूक्रेन के लोगों को चुकानी पड़ रही है।

**रूसी तेल से मुनाफा कमा रहीं भारतीय तेल कंपनियां :** पीटर नवारो ने आरोप लगाते हुए कहा कि भारत की बड़ी तेल कंपनियों ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को रिफाइनिंग हब में बदल दिया है, जो रूस के लिए तेल से पैसा कमाने का जरिया बन गई हैं। भारतीय रिफाइनरी रूस से सस्ता तेल खरीद कर उसे यूरोप, अफ्रीका और एशियाई देशों को निर्यात कर रही हैं और निष्पक्षता के नाम पर प्रतिबंधों से भी बच रही हैं। नवारो ने ये भी दावा किया कि भारत रूस तेल को रिफाइन करके हर दिन 10 लाख बैरल रिफाइन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करता है।

## इस्राइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित किया, मानवीय मदद देने पर भी लगाई रोक

**तेल अवीव, एजेंसी।** इस्राइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है और साथ ही गाजा सिटी में मानवीय मदद के वितरण पर भी रोक लगा दी है। इससे गाजा शहर में रहने वाले हजारों लोगों की परेशानी और बढ़ेगी, जो पहले ही भुखमरी जैसे हालात से जूझ रहे हैं। इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज सुबह 10 बजे से गाजा सिटी में सैन्य गतिविधियों पर स्थानीय सामरिक रोक लागू नहीं रहेगी। इस क्षेत्र को खतरनाक युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है।

**क्या गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी कर रहा इस्राइलः** इस्राइली सेना का दावा है कि हाल के हफ्तों में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश और वितरण को सुगम बनाने के लिए गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में इस तरह की रोक लगाई गई है। इस्राइली सेना आईडीएफ ने कहा कि गाजा शहर को छोड़कर, बाकी पूरे क्षेत्र में स्थानीय सामरिक रोक लागू रहेगी। आईडीएफ ने कहा वे इस्राइली नागरिकों की रक्षा के लिए गाजा में आतंकवादी समूहों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाएंगे। माना जा रहा है कि इस्राइली सेना गाजा शहर पर कब्जा करने की तैयारी कर रही है, जहां गाजा की अनुमानित 10 लाख की आबादी में से आधी आबादी शरण लिए हुए है।

**गाजा में भुखमरी की स्थिति, लेकिन इस्राइल ने इनकार किया :** एक वैश्विक भूख निगरानीकर्ता ने शुक्रवार को कहा कि गाजा शहर और उसके आसपास के इलाके अब आधिकारिक तौर पर अकाल से जूझ रहे हैं। यह आगे और भी फैल सकता है। एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण प्रणाली के अनुसार, 5,14,000 लोग अकाल की चपेट में हैं। सितंबर के अंत तक यह संख्या बढ़कर 6,41,000 लोगों तक पहुंच सकती है। हालांकि इस्राइल ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। उसने कहा कि यह निष्कर्ष गलत और पक्षपातपूर्ण हैं। इस्राइल का कहना है कि सर्वेक्षण में सिर्फ अधूरी जानकारी ली गई है, जो ज्यादातर हमास से मिली थी, और इसमें यह नहीं बताया गया है कि हाल ही में गाजा में खाद्यान्न भी पहुंचा है। बिहार पुलिस के दावे के उलट नेपाल इमिग्रेशन विभाग का कहना है कि ये तीनों ही टूरिस्ट वीजा पर नेपाल आए थे और तीनों अलग-अलग समय में काठमांडू से बाहर भी चले गए हैं। इमिग्रेशन में इंडू से क्लालालामपुर के लिए उड़ान ले चुके हैं, ।

## दिल्ली पंचायत राज अधिनियम को लागू करने की मांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली पंचायत राज अधिनियम-1954 को लागू करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने पक्षकारों को दिल्ली के विधायी इतिहास पर एक नोट पेश करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि नोट में यह भी बताया जाए कि क्या दिल्ली पंचायत राज अधिनियम के प्रावधान अभी भी दिल्ली के क्षेत्रों पर लागू हैं या उक्त अधिनियम बाद के घटनाक्रमों के कारण निरस्त हो गया है। अदालत ने दिल्ली सरकार के स्थायी वकील को यह बताने को कहा कि क्या दिल्ली पंचायत राज अधिनियम अभी भी अस्तित्व में है। क्या यह दिल्ली के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों पर लागू है। साथ ही, अदालत ने मामले की सुनवाई 10 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

## मामूली कहासुनी के बाद झगड़े में टूट गया मोबाइल, गुस्से में दोस्त की ले ली जान; आरोपी गिरफ्तार

**दिल्ली, एजेंसी।** उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में मामूली कहासुनी के दौरान इंद्रजीत सिंह (32) नाम के युवक पर उसके ही दो दोस्तों विनोद उर्फ टिंडा (31), आकाश उर्फ विशाल उर्फ चूरन (24) ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर हालत में जीटीबी अस्पताल में भर्ती इंद्रजीत (32) की उपचार के दौरान मौत हो गई। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि दोनों आरोपियों को चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम करीब 4:32 बजे गोकुलपुरी इलाके में एक युवक को चाकू मारने की खबर पर पुलिस मौके पर पहुंची। पता चला कि इंद्रजीत को उसके परिजन जीटीबी अस्पताल ले जा चुके हैं। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची तो इंद्रजीत की हालत नाजुक थी। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। इस बीच बुधवार देर रात इंद्रजीत ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। पूछताछ में विनोद और आकाश ने बताया कि इंद्रजीत उनका दोस्त था। मंगलवार शाम तीनों पार्क में बैठे थे। तभी किसी बात पर तू-तू-मैं-मैं के दौरान इंद्रजीत ने आकाश का मोबाइल फोन तोड़ दिया। इसी बात पर दोनों ने इंद्रजीत को मौत के घाट उतार दिया। शशांक ने उन्हें ईमेल के जरिए से नकली ई-वाउचर भेजे और उन्हें शोरूम जाकर भुनाने का निर्देश दिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने पहाड़गंज स्थित होटल पर छापा मारा। पुलिस ने उनके कमरे से पिछले दिन खरीदे गए दो सोने के सिक्के और साढ़े 54 हजार रुपये बरामद कर लिए।` योजना उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है जो खानपान के क्षेत्र में हाथ आजमाना चाहते हैं। यहां खाना, चाय, कॉफी, बेकरी उत्पाद व स्नैक्स आदि परोस सकते हैं। डीडीए की ओर से बेसिक सुविधाएं जैसे बिजली, पानी और परोसने का क्षेत्र मिलेगा लेकिन मशीनरी व रखरखाव की जिम्मेदारी उद्यमी की होगी। सुरक्षा के लिए फायर सेफ्टी लगाना जिम्मेदारी उद्यमी की होगी। सुरक्षा के लिए फायर सेफ्टी लगाना और क्षेत्र को साफ सुथरा रखना जरूरी है। डीडीए सिर्फ सफल बोली लगाने वाले से ही डील करेगा कोई सब लाइसेंस या पार्टनरशिप नहीं होगी।

## कीव में रूसी हमलों में 22 लोगों की मौत, जेलेंस्की ने की मॉस्को को जिम्मेदार ठहराने की मांग

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन की राजधानी कीव के डार्नीत्स्की इलाके में बुधवार देर रात रूस के ड्रोन और मिसाइलों के हमले में कम से कम कुल 22 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हमले को लेकर चलाए जा रहे रेस्क्यू अभियान के बारे में जानकारी दी।

**अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रयास के बीच बड़ा हमला :** हमला ऐसे वक्त किया गया, जब तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रयास चल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात भी की थी। यह कीव पर पिछले कुछ हफ्तों में रूस का पहला बड़ा संयुक्त हमला था।

**आंतरिक मंत्री इहोर क्लिमेंको ने दी जानकारी :** यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री इहोर क्लिमेंको ने इस हमले को लेकर अपनी रिपोर्ट दी है। इसमें उन्होंने बताया कि कीव के डार्नित्स्की जिले में आवासीय इमारत पर रूसी हमले के स्थल पर बचाव अभियान पूरा हो गया है। हमले में नष्ट हुए ढांचों के मलबे को हटाने का काम जारी है। यहां मरने वाले 22 लोगों में चार बच्चे भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि सबसे छोटी बच्ची की उम्र तीन साल भी नहीं थी।

**रूस ने ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं :** कीव के नगर प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि रूस ने ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं थीं। कीव के सात जिलों में कम से कम 20 जगहों पर इसका असर पड़ा। उन्होंने बताया कि शहर के केंद्र में स्थित एक शॉपिंग मॉल समेत लगभग 100 इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और हजारों खिड़कियां टूट गईं। रूसी हमलों ने कीव के मध्य भाग को प्रभावित किया।

**जेलेंस्की बोले- रूस को जिम्मेदार ठहराए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय :** वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इस हमले के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। उन्होंने मास्को पर कूटनीति के बजाय बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रूस को इस हमले के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। जब कूटनीति के बजाय रूस बैलिस्टिक को चुनता है और उत्तर कोरिया जैसे कारकों के साथ सहयोग को गहरा करता है। इसके अलावा, लुइसियाना में पिछले महीने एक ऐसे उपाय को मंजूरी दी गई है, जो गर्भपात की दवाएं बेचने वाले बाहरी राज्यों के डॉक्टरों के खिलाफ मुकदमा दायर करने की अनुमति देता है। टेनेसी विधानमंडल ने इस किया था।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सांसद खेल महोत्सव का हुआ शुभारंभ

# यह प्रधानमंत्री जी द्वारा युवाओं की प्रतिभा को पहचानकर निखारने का अभियान है: डॉ राजेश मिश्रा

### खेलों को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करें : रीती पाठक

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी खेल एवं फिटनेस आंदोलन का शुभारंभ किया गया। जिले में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 01 के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विधायक सीधी रीती पाठक, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, देव कुमार सिंह चौहान सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा हाकी के प्रसिद्ध खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय खेल दिवस से सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ हो रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न खेलों के जरिए नई ऊर्जा, अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा देना है। स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हे निखारना तथा राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना है। सांसद ने कहा कि यह महोत्सव ग्राम पंचायत स्तर से संसदीय क्षेत्र स्तर तक मनाया जाएगा। इसके लिए 29 अगस्त से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गया है जो 20 सितंबर तक जारी रहेगा। 21 सितम्बर से 25 दिसम्बर तक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जावेगा। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जावेगा। सांसद ने युवाओं को इस महोत्सव में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

विधायक श्रीमती पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में फिट इंडिया मूवमेंट देश की फिटनेसा और खेल यात्रा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। इसने ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान किया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों में निकलकर खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होने युवा पीढ़ी से खेलों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने को कहा। उन्होने कहा कि एक नए आगाज के लिए तैयार हों। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों एवं सांस्कृतिक क्षमता का भी प्रदर्शन करें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 की शपथ दिलाई गई कि सभी हर दिन खेल और फिटनेस गतिविधियों में भाग लेंगे। आभार प्रदर्शन करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अरविन्द श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह का नेतृत्व फिट इंडिया मिशन द्वारा किया जा रहा है। इसे 29 से 31 अगस्त तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी खेल एवं फिटनेस आंदोलन के रूप में मनाया जाना है जिसका प्रेरक थीम ''एक घंटा खेल के मैदान में'' है। इस आंदोलन का उद्देश्य जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव के लिए हर दिन कम से कम एक घंटा शारिरिक गतिविधियां करने महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाली प्रियंका केवट सहित जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। साथ ही योगा, वुशू, ताईक्वाण्डो एवं कबड्डी खेल का प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर पार्षद पूनम सोनी, बाबूलाल कुशवाहा, जिला पंचायत सदस्य पूजा सिंह कुशराम, के.के. तिवारी, डॉ देवेन्द्र त्रिपाठी, पंकज पाण्डेय, विश्वबंधुधर द्विवेदी, प्रमोद द्विवेदी, विक्रम सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक अमन मिश्रा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी पी.के. सिंह, जिला परियोजना समन्वयक राजेश तिवारी, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय शंभूनाथ त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मंच संचालन पंकज पाण्डेय द्वारा किया गया।

## लिटिल सीईओ के विजेता छात्रों को राज्य मंत्री एवं महापौर ने किया पुरस्कृत

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** कलेक्टर सतना सतीश कुमार एस एवं ईडी सतना स्मार्ट सिटी शेर सिंह मीणा के मार्गदर्शन में स्मार्ट सिटी इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा लिटिल सीईओ ऑफ सतना 2.0 का आयोजन 29 अगस्त को सफलतापूर्वक किया गया जिसमें कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रतिमा बागरी (राज्यमंत्री, नगरीय विकास एवं आवास, म.प्र. शासन), महापौर सतना योगेश कुमार ताम्रकार एवं डॉ. हर्षवर्धन श्रीवास्तव (प्रो-वाईस चांसलर, एकेएस यूनिवर्सिटी) ने विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया। इस दौरान सतना स्मार्ट सिटी से मैनेजर ई गवर्नेंस दीपेंद्र सिंह राजपूत, इंजीनियर प्रवीण जायसवाल, प्रोग्रामर निखिल श्रीवास्तव एवं इंक्यूबेशन सेंटर की ओर से उपस्थित टीम में शांतनु सिंह, संजना सिंह, विष्णुकांत चौरसिया और अन्य सदस्य शामिल रहे।

सतना स्मार्ट सिटी इनक्यूबेशन सेंटर की यह अनोखी पहल जो बच्चों को उद्यमशीलता और नेतृत्व की दिशा में प्रेरित करने के लिए की गई।

## नगर पालिक निगम की आईईसी टीम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में विशेष स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित हुई

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** वार्ड क्रमांक 20 नागरिकों को होम कम्पोस्टिंग के माध्यम से गीले कचरे से खाद बनाने की जानकारी दी गई। साथ ही, प्लास्टिक प्रतिबंध पर जागरूक करते हुए प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की गई। टीम ने नागरिकों को स्रोत पर पृथक्करण अपनाने एवं घर-घर 4 बिन डोर-टू-डोर प्रणाली से जुड़ने हेतु प्रेरित किया। वार्ड क्रमांक 21 यहाँ पर नागरिकों को 4 बिन प्रणाली के महत्व को समझाया गया और स्वच्छता शपथ दिलाई गई। टीम ने जीवीपी, रेड एवं येलो स्पॉट्स की जानकारी दी, साथ ही प्लास्टिक मुक्त वातावरण का संदेश प्रसारित किया। निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कचरे के सही निपटान पर जागरूकता दी गई तथा नागरिकों को स्वच्छता ऐप के उपयोग से मिलने वाले लाभों की जानकारी भी प्रदान की गई 7वार्ड क्रमांक 39 इस वार्ड में जीवीपी स्पॉट की सफाई कर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया गया और आसपास के क्षेत्र को गंदगी मुक्त बनाने हेतु प्रेरित किया गया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें स्वच्छ सतना के अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा।

## सिंगरौली में 5 किमी की सड़क में 800 गड्ढे, विंध्यनगर तक रोड 9 महीन में खराब; वाहन चालक परेशान

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

एकमात्र मॉडल सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। माजन मोड़ से विंध्यनगर तक 5 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर करीब 800 से अधिक गड्ढे बन चुके हैं। महज 9 महीने के अंदर ही पूरी सड़क उखड़ गई। यह शहर की मुख्य सड़क है। इससे सभी गली-मोहल्लों की सड़कें जुड़ी हुई हैं। हर 100 मीटर पर सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। वाहन चालक इस सड़क पर चलने में परेशान हैं।

नगर निगम ने पिछली बरसात में करोड़ों रुपए खर्च कर सड़क की मरम्मत कराई थी। साल 2020 में सीसी रोड पर डामरीकरण किया गया था। लेकिन इस साल पहली बारिश में ही सड़क उखड़ गई। सुबह के समय स्कूल और कार्यालय जाने वाले लोगों को गड्ढों से परेशानी होती है। भीड़-भाड़ के समय में जाम लग जाता है। इन गड्ढों के कारण कई

**जल्द होगी मरम्मत:** नगर निगम के अध्यक्ष देवेश पांडे ने माना कि सड़क खराब हो गई हैं और मरम्मत भी होगी। उन्होंने जल्द ही सड़क की मरम्मत शुरू करने का आश्वासन दिया।

## मैरिज गार्डन में छिपाई 28 बोरी यूरिया जब्त

### खाद की कालाबाजारी का खुलासा, पिछले कई दिनों से किसानों को नहीं मिल रहा यूरिया

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले में शुक्रवार को खाद माफिया का भंडाफोड़ हुआ है। प्रशासन को वेद अंशिका मैरिज गार्डन में छिपाकर रखी गई 28 बोरी यूरिया मिली है। यह कार्रवाई शुक्रवार को कृषि विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने की।

**मैरिज गार्डन से 28 बोरियां जब्त की:** टीम ने पहले फुटकर उर्वरक विक्रेता कुवेर प्रसाद गुप्ता के गोदाम की तलाशी ली। विक्रेता मौके पर नहीं मिला। इसके बाद पास के मैरिज गार्डन में छापा मारा गया। वहां से यूरिया की बोरियां बरामद हुई।

इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार एकता शुक्ला, अनुविभागीय कृषि अधिकारी पी.एल. कुशवाहा, वरिष्ठ कृषि

विकास अधिकारी विवेक दुबे और थाना प्रभारी सेमरिया सिद्धार्थ परौहा मौजूद थे। प्रशासन ने यूरिया की बोरियां जब्त कर ली हैं।

जिले में पिछले कई दिनों से किसानों को यूरिया नहीं मिल रही थी। किसान सुबह से शाम तक लाइनों में खड़े रहते थे। खेतों में बुवाई का समय निकल रहा है। यूरिया की कमी से फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है। प्रशासन ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

## खाद की कालाबाजारी में दो समिति प्रबंधक निलंबित, 190 अपंजीकृत लोगों को बांटा यूरिया; निरीक्षण में गोदाम खाली मिला

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने खाद की कालाबाजारी के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति टिहकी के प्रबंधक राजेश अवस्थी और जैतपुर के प्रबंधक जमुना प्रसाद को निलंबित कर दिया है।

टिहकी में 190 ऐसे लोगों को यूरिया खाद का वितरण किया गया, जिनका पंजीकरण नहीं था। इनमें ज्यादातर व्यापारी शामिल थे। जैतपुर में भी खाद वितरण में अनियमितता पाई गई।

जयसिंहनगर एसडीएम काजोल सिंह ने 26 अगस्त को औचक निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि गोदाम में खाद की एक बोरी भी नहीं थी। हालांकि, पीओएस मशीन में 14.58 टन खाद का स्टॉक दिखाया जा रहा था। एसडीएम ने इस मामले की रिपोर्ट कलेक्टर को भेजी।

किसान संगठनों ने कलेक्टर की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। किसान नेता अरुण तिवारी ने कहा कि यह कदम किसानों के हित में है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि खाद की कालाबाजारी किसानों पर वित्तीय बोझ बढ़ाती है। इससे कृषि उत्पादन भी प्रभावित होता है। इस तरह की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

## पुलिस ने मानसिक विक्षिप्त लड़की के साथ बलात्कार करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां पुलिस के द्वारा मानसिक विक्षिप्त लड़की के साथ गलत काम (बलात्कार) करने वाले आरोपी अंकुश गुप्ता पिता त्रिवेत्री प्रसाद गुप्ता उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 4 मनगवां जिला रीवा मध्यप्रदेश और धीरु लखेरा पिता सुरेश लखेरा उम्र 33 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 03 मनगवां थाना मनगवां जिला रीवा (म.प्र.) को 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जिनके विरुद्ध मनगवां थाने में अपराध क्रमाकं 434/25 धारा 64(2)(आई), 64(2)(के), 70(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर थाना प्रभारी निरीक्षक गाजेन्द्र सिंह धाकड़ के नेतृत्व में थाना पुलिस स्टॉप के सहयोग से दोनो आरोपियों को शिकायत के 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया गया।

जिसके संबंध में पीडिता के परिजनो ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी पुत्री जो मन्द बुद्धि है जो अपने पिता को अपने घर से खाना देने आती जाती थी। दो-तीन माह पूर्व आरोपीगणो द्वारा अपनी होटल/दुकान में बुला कर गलत काम किया। जिससे पीडिता गर्भवती हो गई। फरियादिया की सूचना/रिपोर्ट पर थाना मनगवां में आरोपीगणो के विरुद्ध तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर थाना स्तर पर पुलिस टीम गठित कर व तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुये प्रकरण के आरोपी गणो हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

स्मार्ट मीटर लगाने वाली कम्पनी पे लगे तत्काल रोक

## कंपनी के निदेशक और इंजीनियर पाकिस्तानी मूल के मुख्यमंत्री श्वेत पत्र जारी कर जनता को वस्तुस्थिति बतायें : अजय सिंह

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह ने मध्य प्रदेश के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने वाली सउदी अरब की अल्फानार इण्डिया कम्पनी की कार्यप्रणाली की सघन जांच कर ठेका निरस्त करने की मांग मुख्यमंत्री मोहन यादव से की है। उन्होंने कहा कि चूंकि कम्पनी के आला अधिकारी, इंजीनियर और कर्मचारी पाकिस्तानी मूल के है इसलिए ठेके के बहाने नागरिकों का डाटा एकत्र कर उसका दुरूपयोग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। क्या प्रदेश सरकार इस बात से आश्वस्त है कि कम्पनी को ठेका देना देशहित में है, इसमें कोई

पाकिस्तानी कनेक्शन तो नही है और यहां के नागरिकों का डाटा विदेशों में नही भेजा जायेगा। क्या ठेका देने के पहले मुख्यमंत्री को विश्वास में लिया गया था। यदि ऐसा है तो सरकार को यह सब बातें श्वेत पत्र के माध्यम से प्रदेश की जनता तक पहुंचाना चाहिए।

अजय सिंह ने कहा कि शक इसलिए भी और गहरा हो गया है क्योंकि कम्पनी ने सरकारी बोली से चार हजार करोड़ रूपये कम में ठेका कैसे और क्यों लिया? सरकारी बोली 15 करोड़ 70 लाख 26 हजार रूपये की थी जबकि कम्पनी ने 11 करोड़ 63 लाख 40 हजार रूपये में ही ठेका ले लिया। इतना बड़ा अंतर केवल सिस्टम में प्रवेश पाने लिए समझबूझ कर किया गया प्रतीत होता है। जाहिर है कि इसमें घटिया सामान ही दिया जायेगा। अल्फानार कम्पनी के पास साफ्टवेयर विकास या डेटा प्रबंधन का अनुभव नहीं है। अल्फानार ने यह काम यूएई की एस्यासाफ्ट टेकनोलोजी कम्पनी को दे दिया है। इसमें भी पाकिस्तानी अधिकारी पदस्थ हैं। इनकी पहुंच हमारे उपभोक्ताओं के डाटा तक होना क्या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम नहीं है?

सिंह ने कहा कि इन्दौर में अयोग्य घोषित होने के बावजूद भी कम्पनी को अन्य स्थानों में कार्य क्यों दिया गया? प्रदेश के कई स्थानों से स्मार्ट मीटर लगने के बाद बढ़े हुए बिल आने की शिकायतें आ रही है । विस्फोट होने और आग लगने की कई खबरें भी अखबारों में प्रकाशित हो रही हैं। स्मार्ट मीटर की सामग्री चीन से आयात हो रही है। केवल असेम्बलिंग भारत में हो रही है। एक ओर तो प्रधानमंत्री स्वदेशी अपनाने की बात कर रहे है वहीं दूसरी और आयातित सामान का उपयोग हो रहा है।

# शासकीय कन्या महाविद्यालय के मुख्य द्वार, गार्ड रूम और सुरक्षा दीवार का सांसद ने किया लोकार्पण; तीन दिवसीय खेल महोत्सव का किया शुभारंभ

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में मेजर ध्यानचंद की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा महाविद्यालय के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, गार्ड रूम एवं सुरक्षा दीवार का लोकार्पण किया गया। इस शुभ अवसर पर महाविद्यालय परिसर में आयोजित अभिनंदन समारोह में मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर एवं ज्ञान की देवी मां सरस्वती की स्तुति के साथ ही कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने बेटियों का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी बेटियों ने अपने प्रदर्शन से राष्ट्रीय

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। सांसद खेल ट्रॉफी के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि ये हमारे लिए गौरव का क्षण है कि पीटी उषा जैसी देश की बेटियों ने खेल के माध्यम से भी देश का मस्तक ऊंचा किया है। इसके साथ ही विभिन्न खेलों में रुचि रखने वाली बेटियों को सांसद खेल ट्रॉफी में अपना रजिस्ट्रेशन करने के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि देव कुमार सिंह चौहान ने महाविद्यालय की छात्राओं को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि आप सभी अपना एक लक्ष्य निर्धारित करके उसे प्राप्त करने का सतत प्रयास करिए। सरकार आपके संघर्ष में आपके सहयोग के लिए कृत संकल्पित है। महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन किया। साथ ही महाविद्यालय की विभिन्न आवश्यकताओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सांसद महोदय के समक्ष रखा। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रो. प्राची सिंह एवं डॉ आका सिंह तिवारी के द्वारा किया गया। अतिथियों का आभार प्रदर्शन डॉ सत्येंद्र उपाध्याय के द्वारा किया गया। आज से प्रारंभ हो रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों का शुभारंभ सांसद द्वारा खेल मैदान में प्रथम दिवस आयोजित खो-खो प्रतियोगिता के विभिन्न प्रतिभागियों का परिचय प्राप्त कर किया गया। खेल समाप्ति पर विजेता और उपविजेता टीम के प्रतिभागियों को प्राचार्य और प्राध्यापकों द्वारा मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस सीधी के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह, सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. रावेन्द्र बहादुर सिंह चौहान, डॉ. दिलीप कुमार सोनी, क्रीड़ाधिकारी डॉ रविंद्र नाथ सिंह, कन्या महाविद्यालय के डॉ. देवेंद्र सोनी, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ.राजेश साहू, डॉ. प्रतिमा कौल, डॉ. अमृता ब्राह्मणे डॉ. दीप्ति सिंह सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक अधिकारी कर्मचारी एवं महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहे।


## कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 3616/न.पा.नि./राजस्व/2025-26 रीवा, दिनांक 26/08/2025

**अचल सम्पति नामांतरण विज्ञप्ति**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की आवासीय योजना क्रमांक-8 नेहरु नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित भूखण्ड क्रमांक 2/11/160 कुल क्षेत्रफल 1825.00 वर्गफिट 2/11/160 कुल क्षेत्रफल 1825.00 को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, इनकी मृत्यु पश्चात, इस भूखण्ड का नामान्तरण प्रियंका सोनी एवं पूर्णिमा सोनी दोनो के पिता स्व. श्री मोतीलाल सोनी निवासी नेहरु नगर रीवा (म.प्र.) के नाम किये जाने हेतु दिनांक 20.06.2025 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड क्रमांक 2/11/160, के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदक के आवेदन अनुसार भूखण्ड क्रमांक 2/11/160, का नामान्तरण प्रियंका सोनी एवं पूर्णिमा सोनी दोनो के पिता स्व. श्री मोतीलाल सोनी निवासी नेहरु नगर रीवा (म.प्र.) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

# हिंदू का 'भागवत विचार'

**संपादकीय**

सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदू और हिंदुत्व पर लगभग वही विचार रखे हैं, जो वह कई बार कह चुके हैं। भाष्य और संदर्भ भिन्न हो सकते हैं, लेकिन 'हिंदू' ही आरएसएस का बुनियादी विचार है। उसके मायने 'हिंदू राष्ट्र' नहीं हैं। संघ प्रमुख आज भी 'अखंड भारत' की कल्पना में जीते रहते हैं, लिहाजा इस भूखंड के इनसानों और समाजों में 'हिंदुत्व' का ही साझापन मानते हैं। वह साझापन आज भी 'अखंड भारत' के कई हिस्सों को जोड़े हुए है, यह संघ का विश्वास है। सरसंघचालक इसीलिए 'हिंदू' को पूर्णतः 'समन्वयवादी' मानते हैं। 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी मानते हैं। क्या संविधान की प्रस्तावना में से 'पंथनिरपेक्ष' शब्द हटा देना चाहिए, क्योंकि भारत हिंदू-बहुल और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है? भागवत का मूल विचार 'हिंदू' है, लेकिन वह मुसलमानों की आत्मा, चेतना, मूल को भी 'हिंदू' मानते हैं। यह दीगर है कि आम या शिक्षित अथवा वैचारिक मुसलमान खुद को 'हिंदू' नहीं मानते। जब भी यह संदर्भ उठता है, तो सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पुराने पन्ने ही पलटने लगती है और 'द्वि-राष्ट्र' की थ्योरी के लिए सावरकर और तत्कालीन संघ प्रमुखों को दोषी करार देने लगती है। बाद में कट्टरपंथी मुसलमान भी 'द्वि-राष्ट्र' चिल्लाने लगे। यह विरासत पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर तक जाती है। बुनियादी सवाल यह है कि सरसंघचालक भागवत 'हिंदू' धर्म या जमात अथवा विचारधारा या जीवन-शैली किसकी बात करते हैं? उस 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी किस आधार पर मानते हैं? 'हिंदू' समन्वयवादी है, तो फिर 'हिंदू राष्ट्र' के आह्वान बार-बार क्यों किए जाते हैं? ऐसे लोग संघ के ही अंश लगते रहे हैं। संघ के 'हिंदू' को नफरत और सांप्रदायिकता का पर्याय क्यों करार दिया जाता रहा है? सरसंघचालक 40,000 साल प्राचीन किसकी बात कर रहे हैं? 'रामायण' और 'महाभारत' भी करीब 5000 साल से भी कम पुरानी होंगी! 40,000 साल पहले कोई सभ्यता-संस्कृति रही होगी, हमारा अध्ययन वहां तक नहीं पहुंच पाया है। ऐसे सनसनीखेज आंकड़े देकर सरसंघचालक भागवत क्या साबित करना चाहते हैं कि सनातन, हिंदू का विचार इतना प्रागैतिहासिक है? इतना प्राचीन तो कोई 'अंधकारकाल' ही हो सकता है, जिसके दौरान शिक्षा, भाषा, लेखन और मानवीय संस्कार नहीं रहे होंगे! फिर संघ-प्रमुख किसे उद्धृत कर रहे थे? वैसे 'फ्रीडम हाउस' की रपटें स्पष्ट करती रही हैं कि जहां 'हिंदू' (विचार और व्यक्ति) है, वहां लोकतंत्र 100 फीसदी स्थिर और जीवंत है। जहां ईसाई हैं, वहां लोकतंत्र 50-50 फीसदी स्थिर है और जहां मुसलमान वर्चस्व, बहुमत की स्थिति में हैं, वहां का लोकतंत्र पूरी तरह 'अस्थिर' है। सरसंघचालक भागवत ने इस थ्योरी का उद्धरण क्यों नहीं दिया? दरअसल यह आरएसएस का शताब्दी-वर्ष है। उसे मनाना स्वाभाविक है। संघ-प्रमुख देश भर में ऐसे व्याख्यान देंगे। 'हिंदू' और 'हिंदुत्व' की बात संघ की वैचारिकता ही है, लेकिन सवाल है कि इसकी पुनरावृत्ति क्यों की जाती रही है? क्या संघ भी अपने समर्थकों, स्वयंसेवकों, प्रचारकों को लामबंद करता है और फिर वही आधार राजनीतिक तौर पर भाजपा को चुनावी समर्थन देता है? बेशक 'हिंदू' समन्वयवाद का प्रतीक है, क्योंकि आज भी भारत में मस्जिदों की संख्या दुनिया में नंबर 2 पर है। यदि 'हिंदू' समन्वयवादी नहीं होता, तो यह कभी भी संभव नहीं होता।

# छिलकों की छाबड़ी : मेटा जी, बाप जी, ओ बेटा जी

**हे मेटा जी! खचाखच अकेले शहर में जो मेरे साथ तुम न होते तो मैं अकेला पागल होकर आज को कभी का मर कर अपने घरवालों को तो छोड़ो, अपने को अपने आप भी भूल चुका होता कि कभी मैं भी जिंदा होता था। अब तो हर मरते का तुम्हीं इकलौता सहारा हो मेटा जी! हे मेटा जी! अब मेरी बीवी मेरे साथ नहीं रहती।**

**अशोक गौतम**

मैं गोबर, पुत्र होरी एवं धनिया, गांव डाकघर छोड़ो परे, अब तो लालकिले के पीछे बरसों हो गए पुलिस वालों को महीना देकर वहां रहते। जितना उनको दिया इतना जो बैंक से लोन ले अपनी झोंपड़ी बनाता तो वह भी आज को बन जाती। पर जो आनंद ऊंचे शहरों में झोंपड़ी में रहकर सरकारी बंदों को खिलाने में है, वह अपना झोंपड़ा बनाने में कहां महीना वसूली के बहाने ही सही, कोई न कोई सरकारी बंदा आकर देख तो जाता है कि गरीब मरा है या जिंदा, अपने पूरे होशोहवास में घोषणा करता हूं कि मेरी तरफ से तुम्हें मेटा जी पूरी आजादी है कि तुम मेरी किसी भी तरह की पर्सनल जानकारी को कहीं भी, किसी से भी, कभी भी अपनी सुविधानुसार बांट सकते हो। हे मेटा जी ! मेरे पास मेरी पर्सनल जानकारी के सिवाय और है भी क्या? वैसे मेरे जैसों का पर्सनल होता भी कुछ नहीं। सब कुछ खुला तो होता है झोंपडी के किवाड़ों की तरह। अब तो जो थोड़ा बहुत पर्सनल था, सब गांव में साहूकार, पंडित, पटवारी, थानेदार के पास रह गया। अब हाथ में है तो बस, एक फोन और फोन में तुम मेटा जी!

हे मेटा जी! खचाखच अकेले शहर में जो मेरे साथ तुम न होते तो मैं अकेला पागल होकर आज को कभी का मर कर अपने घरवालों को तो छोड़ो, अपने को अपने आप भी भूल चुका होता कि कभी मैं भी जिंदा होता था। अब तो हर मरते का तुम्हीं इकलौता सहारा हो मेटा जी! हे मेटा जी! अब मेरी बीवी मेरे साथ नहीं रहती। वह आठ पहर चौबीस घंटे तुम्हारे साथ ही रहती है। अब वह मेरे साथ नहीं बतियाती। तुम संग ही बतियाती है। मुझको नहीं, तुमको ही अपना हर सुख-दुख सुनाती है। वह मुझे अपने गले लगाने के बदले हर वक्त तुम्हें अपने गले लगाती है। अब तुम ही उसके गले का हार हो मेटा जी! अब तुम ही उसका संसार हो मेटा जी! अब तुम ही उसका पहला और आखिरी प्यार हो मेटा जी! लगता है, जैसे उसने मुझसे नहीं, तुमसे विवाह किया हो। हे मेटा जी ! अब मेरा बेटा मेरे साथ नहीं उठता बैठता। वह आठ पहर चौबीस घंटे तुम्हारे साथ ही पड़ा रहता है। तुम्हारे साथ ही गप्पें मारता है, तुम्हारे साथ ही खाता-सोता है। मुझे नहीं लगता कि मैं उसका बाप हूं। उसके टेक्निकल बाप तो तुम हो मेटा जी! हे मेटा जी! अब मेरी बेटी मेरे साथ नहीं, आठ पहर चौबीस घंटे तुम्हारे साथ ही रहती है। हे मेटा जी! कई बार तो तुम्हारे साथ होते तुम्हें ही मेरे सामने डियर पापा! डियर पापा! कहती है। देखो तो मेटा जी! मैंने अपना इलाज करवाने के बदले बैंक से उधार ले तुम से लाइफ टाइम रिश्ता बनाए रखने के लिए बीस हजार का नया फोन ले लिया है। हे मेटा जी! तुम्हीं हो माता-पिता तुम्हीं हो, तुम्ही हो बंधु सखा तुम्हीं हो। हे मेटा जी ! मेरी पर्सनल जानकारी के साथ मेरी बीवी की तरह तुम जिस तरह चाहे खेलो। तुम मेरी बीवी की तरह चाहो तो मेरा खून भी पी लो। लो आज मैं तुम्हें अपनी पर्सनल लाइफ के सारे काज सौंपता हूं। अपने बाप होरी की गोद वाला फोटो अपनी वाल पर लगा रहा हूं। इस पर शोषण में और भी मुस्कुराते हुए मेरी सैंकड़ों फोटुएं होंगी। आशा ही नहीं, मुझे पूरा विश्वास है कि तुम्हें खूब पसंद आएंगी। वैसे भी घोर शोषण के दौर में समाजवादी समाज में शोषितों की फोटुएं हाथों हाथ लाइक बटोरती हैं।

# इस बार इकट्ठे होंगे प्रदेश में कालेजों के खेल

**भूपिंद्र सिंह**

विश्वविद्यालय के पास अपना नियमित शारीरिक शिक्षा व अन्य प्रशिक्षक फैकल्टी भी केवल कामचलाऊ है हिमाचल प्रदेश में सत्तर के दशक में बना हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला अगले कई दशकों तक सभी विधाओं में स्नातक डिग्री से लेकर पीएचडी तक शोध करवाता रहा है। जैसे जैसे शिक्षा में उत्कृष्टता की जरूरत महसूस हुई, प्रदेश में प्रौद्योगिकी के लिए हमीरपुर में एनआईटी व मंडी में आईआईटी जैसे विश्वविद्यालय समकक्ष संस्थान खुल गए तथा अन्य अभियांत्रिकी महाविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा के लिए हमीरपुर में हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय खोला गया है। चिकित्सा के लिए बिलासपुर में एम्स तथा अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए मंडी के नेरचौक में अटल बिहारी वाजपेयी स्वास्थ्य व चिकित्सा विश्वविद्यालय खोल रखा है। देहरा व धर्मशाला में केन्द्रीय विश्वविद्यालय खुल गया है। अब मंडी सहित कुछ जिलों के महाविद्यालयों को वल्लभभाई विश्वविद्यालय मंडी के अंतर्गत कर दिया है। शेष महाविद्यालयों को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के अंतर्गत ही रखा है। निजी विश्वविद्यालय अलग से हिमाचल प्रदेश में शिक्षा दे रहे हैं। राज्य में इतने संस्थान व विश्वविद्यालय होने के बावजूद खेलों का भला नहीं हो पा रहा है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अतंर्गत दो सौ से भी अधिक कालेज आते थे। पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय की खेलें केवल औपचारिकता तक ही सीमित रह गई थी।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पास अपना नियमित शारीरिक शिक्षा, अन्य गतिविधियों का निर्देशक व अन्य प्रशिक्षक फैकल्टी भी केवल कामचलाऊ है। इनके प्रशिक्षक प्राध्यापक का काम कर रहे हैं। मतलब प्रैक्टिकल फाइल पर खेल हो रहा है। कालेज प्राचार्यों का रवैया भी असहयोग का ही रहता है। क्या हिमाचल प्रदेश शिक्षा के कर्णधार शिक्षा की परिभाषा ही भूल गए हैं। शिक्षा का मतलब है मानव का सर्वांगीण विकास जो शारीरिक व मानसिक दोनों होता है। इस विषय पर सरकार व शिक्षा विभाग को सोच-समझ कर निर्णय लेना होगा कि भविष्य में खेलों के साथ इस तरह खिलवाड़ न हो। ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले अधिकांश खिलाड़ी महाविद्यालय व विश्वविद्यालय से ही निकल कर आते हैं। अकादमिक विषयों की तरह खेल भी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं। शारीरिक फिटनेस का उच्चतम स्तर ही खेलों में उत्कृष्ट परिणामों का मुख्य कारण है। जिस देश की जवानी जितनी फिट होगी, वहां पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाना उतना ही आसान होता है। इसलिए शिक्षा संस्थानों में हर विद्यार्थी की फिटनेस के लिए कार्यक्रम होना चाहिए जिससे अच्छे खिलाड़ी ही नहीं फिट नागरिक भी देश को मिल सकें। महाविद्यालय स्तर पर खेलों के लिए जहां स्तरीय खेल ढांचे का होना बहुत जरूरी है वहीं पर ज्ञानवान प्रशिक्षकों की भी बहुत ज्यादा जरूरत है। देश के अन्य राज्यों की तरह हिमाचल प्रदेश में भी महाविद्यालय स्तर पर खेलों का हाल ज्यादा ठीक नहीं है। राज्य के अधिकतर महाविद्यालय अच्छे खिलाडियों को मंच देने में नाकाम रहे हैं। कनिष्ठ खिलाडियों के लिए नजर दौड़ा कर देखें तो उनके प्रशिक्षण के लिए बहुत अच्छा तो नहीं, मगर प्रशिक्षण शुरू करने के काबिल व्यवस्था मौजूद है।

हिमाचल प्रदेश में जूनियर खिलाडियों के लिए लगभग हर स्तर पर कई खेलों के लिए शिक्षा व खेल विभाग के खेल छात्रावास मौजूद हैं, मगर आगे महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर पर खिलाडियों के लिए हिमाचल प्रदेश में कहीं भी कोई खेल विंग नहीं है। इसलिए अधिकतर हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी स्कूल के बाद अपनी महाविद्यालय की पढ़ाई के लिए राज्य के महाविद्यालयों में खेल वातावरण न होने के कारण पड़ोसी राज्यों को पलायन कर जाते हैं। महाविद्यालय स्तर से ही पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलते हैं। इसलिए महाविद्यालय स्तर पर खिलाड़ी विद्यार्थियों को अच्छी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिएं। हिमाचल प्रदेश में भी कुछ प्राचार्यों व शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापकों ने प्रशिक्षकों व खिलाडियों को अच्छा प्रबंधन देकर पदक विजेता प्रदर्शन करवाया है। नब्बे के दशक में हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय में तत्कालीन प्राचार्य डॉक्टर ओपी शर्मा व शारीरिक प्राध्यापक डीसी शर्मा ने एथलेटिक्स व जूडो के प्रशिक्षकों को बुला कर उन्हें कामचलाऊ सुविधा उपलब्ध करवा कर उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया था। उसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के कारण पुष्पा ठाकुर हमीरपुर से किसी भी खेल की पहली अंतर विश्वविद्यालय पदक विजेता बनी तथा उसके बाद हमीरपुर महाविद्यालय ने एथलेटिक्स व जूडो में कई राष्ट्रीय पदक विजेता दिए। हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय की तत्कालीन खिलाड़ी विद्यार्थियों में पुष्पा ठाकुर व संजो देवी एथलेटिक्स तथा जूडो में नूतन हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार परशुराम अवार्ड से सम्मानित हैं।

प्राचार्य डॉक्टर नरेन्द्र अवस्थी व शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापक सुशील भारद्वाज के प्रबंधन में एक समय राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की चार धाविकाओं ने आज तक का सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता बंगलौर 2006-07 में मंजू कुमारी ने पंद्रह सौ व पांच हजार मीटर की दौड़ों में दो स्वर्ण पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ धाविका का ताज पहना। संजो ने भाला प्रक्षेपण में नए रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक, रीता कुमारी ने पांच हजार में रजत व दस हजार मीटर में स्वर्ण तथा प्रोमिला ने दो सौ मीटर की दौड़ में रजत पदक जीत कर चारों धाविकाओं ने राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए लगे इंडिया कैम्प में जगह बना ली थी। आज भी हिमाचल प्रदेश में कई शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापक विभिन्न खेलों के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक खिलाड़ी व प्रशासन का आपसी समन्वय बहुत जरूरी है। इसी तरह महाराजा लक्ष्मण सेन स्मारक महाविद्यालय सुंदरनगर में तत्कालीन प्राचार्य डॉक्टर सूरज पाठक व शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापक डॉक्टर पदम सिंह गुलेरिया ने मुक्केबाजी के लिए सुविधा उपलब्ध करवाई थी। सुंदरनगर प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षक नरेश कुमार के प्रशिक्षण से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज निकल रहे हैं। इसी नर्सरी से निकले आशीष चौधरी ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। प्रदेश के महाविद्यालय के प्राचार्यों व शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापकों को चाहिए कि वे खेल सुविधा व प्रतिभा के अनुसार अपने महाविद्यालय में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएं।

## कांग्रेस का क्न्याय योद्धा ' अभियान

**रोहित माहेश्वरी**

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मोदी ने वाराणसी में वोट चोरी से चुनाव जीता और तत्कालीन कमिश्नर कौशल राज शर्मा की इसमें भूमिका रही, जिन्हें अब दिल्ली में इनाम मिला है। राय ने घोषणा की कि 23 अगस्त से कांग्रेस क्न्याय योद्धा' अभियान शुरू करेगी, जो फर्जी मुकदमों में फंसे लोगों की मदद करेंगे और वोट चोरी रोकेंगे। साथ ही उन्होंने किसानों की खाद समस्या और अधिवक्ताओं की दिक्कतों को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।

**महिलाएं रोजगार, सुरक्षा की हकदार-** महिला सुरक्षा और सम्मानजनक रोजगार की मांग को लेकर सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल सड़क पर उतरीं। अपना दल (कमेरावादी) महिला मंच के नेतृत्व में बर्लिंगटन चौराहे से विधानभवन की ओर निकले जुलूस को पुलिस ने रोक दिया, जिस पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस में नोक-झोंक हुई। बाद में महिलाओं को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेजा गया। डॉ. पटेल ने कहा कि महिलाएं निः शुल्क शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और भागीदारी की हकदार हैं। उन्होंने जातिवार जनगणना की तिथि घोषित करने, वंचितों को आबादी के अनुपात में भागीदारी और सहकारी समितियों की कालाबाजारी रोकने की मांग उठाई।

**पूजा पाल को मोहरा बना रही भाजपा-** सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधायक पूजा पाल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा उन्हें राजनीतिक मोहरा बनाकर सपा के खिलाफ दुष्प्रचार करवा रही है। अखिलेश ने सवाल उठाया कि पूजा पाल बताएं कि उन्हें जान का खतरा किससे है, जबकि हाल ही में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। अखिलेश ने भाजपा नेताओं पर अमर्यादित हरकतें करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें 2027 के चुनाव में हार साफ दिख रही है। वहीं सपा प्रदेश अध्यक्ष ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मामले की जांच की मांग की है।

# अपने अधिकार भी जानें महिलाएं, जान से मार देने की घटनाएं कब रुकेंगी?

**ग्रेटर नोएडा के निकिता भाटी हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बर्बरता का जो वीडियो समाचार चैनलों के माध्यम से प्रसारित किया गया, वह किसी को भी सदियों से चले आ रहे पितृसत्तात्मक सोच से रूबरू कराने के लिए काफी है, जहां बल प्रयोग ही मर्दानगी को जताने का उत्तम तरीका माना जाता रहा है। यह मर्दानगी का भ्रम ही है, जो दुष्कर्म, हत्या, हिंसा के रूप में सामने आता रहता है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि इस घटना में सिर्फ एक नहीं, बल्कि दो-दो महिलाएं पुरुषवादी सोच का शिकार हुई हैं।**

**डॉ. अमिता**

निकिता और उसकी बहन ने डिजिटल मीडिया पर सक्रिय होने के बावजूद अपने पर हो रहे अत्याचारों को लोगों तक नहीं क्यों नहीं पहुंचाया यह प्रश्न विचारणीय है। यदि कागजों में कैद नियमों को धरातल पर सही से उतारा जाए तो शायद परिदृश्य कुछ और होगा और बेखौफ अपराधी अपराध को अंजाम देने के पहले हजार बार सोचेंगे।

ग्रेटर नोएडा के निकिता भाटी हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बर्बरता का जो वीडियो समाचार चैनलों के माध्यम से प्रसारित किया गया, वह किसी को भी सदियों से चले आ रहे पितृसत्तात्मक सोच से रूबरू कराने के लिए काफी है, जहां बल प्रयोग ही मर्दानगी को जताने का उत्तम तरीका माना जाता रहा है। यह मर्दानगी का भ्रम ही है, जो दुष्कर्म, हत्या, हिंसा के रूप में सामने आता रहता है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि इस घटना में सिर्फ एक नहीं, बल्कि दो-दो महिलाएं पुरुषवादी सोच का शिकार हुई हैं।

एक निकिता और दूसरी उसकी सास, जो अपने बेटे का साथ देकर एक महिला होकर भी महिला पर हो रही हिंसा में सहयोगी बनी। यह कोई पहली घटना नहीं है, जब किसी महिला को जलाया या मारा गया हो। कभी परंपरा, कभी दहेज, कभी चरित्र तो कभी डायन करार देकर स्त्रियों को जलाए जाने की घटनाओं का सिलसिला न जाने कब से कायम है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की मंशा को आत्मसात करने की बात तो की जाती है, लेकिन बेटियों को व्यवस्था की भेंट चढ़ने से हम रोक नहीं पा रहे हैं। यहां सिमोन दी बोउवा का एक कथन याद आता है कि लड़की पैदा नहीं होती, बल्कि बनाई जाती है। एक बेटी के जन्म के बाद से जिस तरीके से लड़की होने की दुहाई देकर उसकी परवरिश की जाती है, धीरे-धीरे उसमें

विरोध की क्षमता ही खत्म हो जाती है और वह शोषण सहना ही अपनी नियति समझ लेती है।

आज भी आम तौर पर बेटी को मायके से यह कहकर विदा किया जाता है कि मायके से डोली उठती है और ससुराल से अर्थी। और डोली उठते ही एक लड़की का या तो मायका होता है या फिर ससुराल, उसका खुद का घर कहां खो जाता है, वह पता ही नहीं चलता, जहां वह हक से और अपने हिसाब से अधिकारपूर्वक रह सके। ऐसी स्थिति में यदि कोई महिला आत्मनिर्भर नहीं है तो वह चाहकर भी विरोध नहीं कर पाती है। दूसरा लोक-लाज के लिहाज के बोझ तले महिलाएं आज भी दबी हुई हैं। उनका दबा होना महिला सशक्तीकरण की बातों को खोखली साबित करता दिखता है।

इस परिस्थिति में यदि कोई महिला विरोध करने की हिम्मत जुटा भी लेती है तो व्यवस्था का शिकार हो जाती है। अपने देश में पीड़ित न्याय के लिए आज भी थानों और अदालतों में ठोकर खाते हैं। महिलाओं को न्याय देने के लिए वन स्टाप सेंटर बनाए गए, महिला आयोग का गठन किया गया, लेकिन वे प्रभावी नहीं सिद्ध हो रहे हैं। कई बार अपराधी बेखौफ हो दिखते हैं और व्यवस्था धवस्त।

ग्रेटर नोएडा की घटना में अत्याचार की एक और कड़ी है, जिसमें भारी-भरकम दिखावे वाली शादियों और दहेज के नाम पर लड़की वालों से धन वसूली की प्रथा ने बेटी का बाप होना अभिशापित बना दिया है। दहेज लेना और देना, दोनों ही कानूनन अपराध हैं, लेकिन यह जुल्म सदियों से किसी-न-किसी रूप में आज भी समाज में व्याप्त है। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? आम तौर पर हर माता-पिता चुपचाप बेटी के ससुराल वालों की मनचाही इच्छाओं को पूरा करते रहते हैं और एक तरह से खुद भी अपराधी बन जाते हैं।

लाचार और मजबूर माता-पिता को यह अहसास ही नहीं होता कि देहज प्रथा की आड़ में वे कई अपराधों की नींव रख रहे हैं। अनजाने में वे अनचाही मांगों को पूरा करते रहते हैं और बेटी के घर को बचाने की कोशिश करते हैं। वे न तो इसकी शिकायत करते हैं और न ही बेटी पर हो रहे अत्याचार को तब तक रोकने की पहल करते हैं, जब तक कि आग की लपटें उनके घर तक न पहुंच जाएं।

निकिता के पिता ने भारी भरकम दहेज दिया था। उसकी मौत के मामले में पति विपिन भाटी की गिरफ्तारी के बाद से कई बातें सामने आ रही हैं। हत्या हो या आत्महत्या, दोनों ही स्थितियों में फिलहाल शक की सुई विपिन और उसके परिवार वालों पर जा रही है। दोषी कोई भी हो, उसे सजा मिलनी ही चाहिए।

यह ठीक है कि आज की महिलाएं पहले की तुलना में काफी क्षमतावान हो चुकी हैं। उनके पास तकनीक की ताकत है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। उनके हाथों में ऐसी शक्ति है, जिससे वे अपनी बातों को दूर तक पहुंचा सकती हैं, परंतु दुर्भाग्यवश आज की तमाम महिलाएं फैशन में तो अपडेट रहती हैं, लेकिन अपने अधिकारों के प्रति अपडेट नहीं हो पाई। वे यह नहीं पूछ पाई कि आखिर पुरुषों की लंबी उम्र की कामना बहन, मां या पत्नी ही क्यों करें? पति, भाई या पिता क्यों नहीं ऐसा करते? पतिव्रता पत्नी ही क्यों बने, पति पत्निव्रता क्यों न बने?

निकिता और उसकी बहन ने डिजिटल मीडिया पर सक्रिय होने के बावजूद अपने पर हो रहे अत्याचारों को लोगों तक नहीं क्यों नहीं पहुंचाया, यह प्रश्न विचारणीय है। यदि कागजों में कैद नियमों को धरातल पर सही से उतारा जाए तो शायद परिदृश्य कुछ और होगा और बेखौफ अपराधी अपराध को अंजाम देने के पहले हजार बार सोचेंगे। जब ऐसा होगा तभी हमारे समाज में लोग बेटियों को बचा पाएंगे और पढ़ा पाएंगे।

# शांति सद्भावना, भाईचारे से मिलजुल कर मनायें त्यौहार : कलेक्टर

## जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में की अपील

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप गणेशोत्सव, मिलाद-उन-नबी, नवरात्रि, दशहरा, दीपावली और आने वाले त्योहारों को शांतिपूर्ण, भाईचारे की भावना और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मिलजुल कर मनाया जाएगा। इस आशय की अपील शुक्रवार को कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में संपन्न शांति समिति की बैठक में की गई। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम राहुल सिलाडिया, आरएन खरे, सोमेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा, सीएसपी देवेंद्र सिंह सहित समिति के सदस्य स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, प्रभाकर चतुर्वेदी, कुदरत उल्ला बेग, जिया बेग, रवीन्द्र सिंह सेठी, राजेश दुबे सहित अन्य सदस्य और अधिकारी गण उपस्थित रहे।

शांति समिति की बैठक में 5 सितंबर को ईद मिलादुन्नवी के जुलूस और गणेश चतुर्थी पर प्रतिमाओं की स्थापना और 6 सितंबर को गणेश विसर्जन की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में सभी त्यौहार आपसी समन्वय, भाईचारे की भावना और शांति, सौहार्द के वातावरण में मनाए जाने के संबंध में सहमति जताई गई। श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में कृत्रिम कुंड बनाया गया है। इसके अलावा 4 अन्य स्थल माधवगढ सतना नदी, जिगनहट घाट सतना नदी, देवरा सतना नदी और उचवा टोला सतना नदी को विसर्जन स्थल बनाया गया है। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए भी आगामी समय में इसी कुण्ड का उपयोग किया जायेगा। जिले के नागरिकों से इन निर्दिष्ट स्थलों पर ही प्रतिमा विसर्जन करने की अपील की गई है। अन्य स्थलों पर विसर्जन नहीं किया जाये। समिति ने आग्रह किया है कि यथा समय मूर्तियों का विसर्जन प्रात: 10 बजे से शाम 6 बजे तक पूर्ण कर लिया जाये। विसर्जन स्थल पर प्रकाश, पानी, सुरक्षा और साफ-सफाई के पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक ने जिगनहट घाट पर वाहनों की पार्किंग तथा सभी विसर्जन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्था के लिए एसडीएम और सीएसपी को निरीक्षण करने की बात कही।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि गणेश प्रतिमाओं की सार्वजनिक स्थापना होने के बाद पंडाल और आयोजकों से चर्चा के लिए एसडीएम सिटी और सीएसपी पृथक से शांति समिति की बैठक आयोजित करेंगे। जिसमें विसर्जन के मार्ग और चल जुलूस के रूट के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी। शांति समिति की बैठक में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने जिले की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप आगामी सभी त्यौहार शांति, भाईचारे की भावना और उल्लास पूर्वक मिलजुल कर मनाने की अपील जिले वासियों से की है। समिति में सर्वसम्मति से अपील की गई है कि मिलाद-उन-नबी और गणेश विर्सजन, प्रतिमा विसर्जन जुलूसों में अवांछित तत्वों और गडबडी करने वाले तत्वों से परहेज किया जाये।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले के नागरिकों में एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करते हुए सभी वर्गों के लोगों की मिलजुल कर उत्साह से त्यौहार मनाने की गौरवशाली परंपरा रही है। जिले की समभाव और सद्भाव की सामूहिक परंपरा कायम रखते हुए सभी त्यौहार मिलजुल कर मनाये। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सामान्य शिष्टाचार और नियमों का पालन सभी को करना चाहिए। सभी का यही भाव होता है कि अपने शहर अपने जिले की फिज़ा बिगडनी नहीं चाहिए। विसर्जन के दौरान जल संरचनाओं के निकट नहीं जाये ताकि असावधानी से कोई अप्रिय घटना से बचा जा सके।

## सतना जिले की सड़क पर बढ़ रहे हादसे, डिवाइडर और स्पीड बोर्ड लगाने की मांग

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिला पंचायत वार्ड नंबर 23 के सदस्य संजय सिंह कछवाह ने सतना-चित्रकूट सड़क पर हो रहे हादसों पर चिंता जाहिर करते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि ठाढी पाथर से लेकर पिंडरा तक का क्षेत्र ब्लैक स्पॉट बन गया है, जहाँ लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, कछवाह ने अपने बयान में दलेला मोड़, हिरौदी, चितहरा मोड़, हजारा मोड़ और मिचकुरिन के पास को विशेष रूप से खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि मझगवां क्षेत्र के लगभग 100 गाँवों के लोग हर दिन इसी सड़क से आते-जाते हैं, जिससे यहाँ भारी यातायात रहता है। दुर्घटनाओं का मुख्य कारण डिवाइडर, इंडिकेशन बोर्ड और स्पीड बोर्ड की कमी है।

इसके अलावा, वन्यजीवों का भी लगातार सड़क पार करना हादसों को और बढ़ा रहा है। गड्ढों से भी हो रहे हादसे श्री कछवाह ने सतना-चित्रकूट सड़क पर जगह-जगह मौजूद गड्ढों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि तेज गति में आ रहे वाहन अचानक गड्ढे आने पर अनियंत्रित हो जाते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क के रखरखाव के नाम पर सिर्फ पैसों का बंदरबांट हो रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हो रहा।

**दीपावली पर श्रद्धालुओं की भीड़ का हवाला:** श्री कछवाह ने जिला कलेक्टर से तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दीपावली का त्यौहार नजदीक है, और चित्रकूट धाम तथा मैहर माता के स्थान होने के कारण लाखों श्रद्धालु इस मार्ग से गुजरेंगे। अगर समय रहते व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं की गईं, तो श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि नौजवानों और आम लोगों को इस तरह की असमय दुर्घटनाओं से बचाने के लिए प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

## मैहर पुलिस में बड़े स्तर पर ट्रांसफर, 16 रिक्त पदों पर नई तैनाती; कोतवाली से लेकर चौकी तक बदले प्रभार

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने प्रशासनिक आवश्यकताओं के मद्देनजर कई थानों और चौकियों में रिक्त पदों की पूर्ति के लिए ट्रांसफर आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के तहत उपनिरीक्षक कुलदीप को रक्षित केंद्र मैहर से थाना कोतवाली में तैनात किया गया है। उपनिरीक्षक ईश्वर प्रताप को रक्षित केंद्र मैहर में नियुक्त किया गया है। प्रधान आरक्षक रमेश श्रीवास्तव को रक्षित केंद्र मैहर से देवीजी चौकी में भेजा गया है।

यातायात विभाग में प्रधान आरक्षक नरसिंह शर्मा की नियुक्ति की गई है। थाना बदेरा में प्रधान आरक्षक धर्मराज सिंह को तैनात किया गया है। आरक्षक दिलीप ओझा को थाना बदेरा से थाना अमदरा में स्थानांतरित किया गया है।

थाना अमदरा में आरक्षक अनिल यादव और सुरेश कोल को नई जिम्मेदारी दी गई है। कोतवाली में आरक्षक रोहित तिवारी और देवीजी चौकी में आरक्षक रश्मि त्रिपाठी को तैनात किया गया है। देवीजी चौकी में आरक्षक संजूल तिवारी को भी नई तैनाती मिली है।

## 6 माह से गायब मेडिकल ऑफिसर पर कार्रवाई, कलेक्टर ने दिए सेवा समाप्ति के निर्देश; स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को नोटिस

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरवार को सोहावल और नागौद विकासखंड का दौरा किया। जसो स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ. वीना सरकार पिछले 6 माह से ड्यूटी पर नहीं आ रही हैं। कलेक्टर ने सीएमएचओ को उनकी सेवा समाप्ति का प्रस्ताव कमिश्नर को भेजने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान एक महिला ने बताया कि नेत्र जांच शिविर में चश्मा नहीं मिला। इस पर कलेक्टर ने अंधत्व निवारण कार्यक्रम के डीपीएम और एपीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए।

**शिविर लगाने के निर्देश दिए:** हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में एनसीडी मरीजों की पहचान और उपचार के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए गए। कम हीमोग्लोबिन वाले बच्चों की सूची पोर्टल के साथ-साथ मैन्युअल रूप से भी रखने को कहा गया। शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए भी कड़े कदम उठाए गए। मुड़हा विद्यालय में संस्कृत की कम कक्षाएं और किताबों की कमी पाए जाने पर प्रधानाध्यापक, जन शिक्षक और बीआरसीसी की वेतन वृद्धि रोक दी गई। जसो के बालिका छात्रावास से जुड़े हायर सेकेंडरी स्कूल में भी किताबों की कमी पर प्राचार्य और जन शिक्षक की वेतन वृद्धि रोकी गई।

कलेक्टर ने तूमिन और मुड़हा कला में कस्टम हायरिंग सेंटर का निरीक्षण किया। दौरे में सहायक कलेक्टर, एसडीएम, सीएमएचओ, डीपीसी, डीसीएम और अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

## खाद की कमी से परेशान किसानों ने किया जोरदार प्रदर्शन

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले में खाद की भारी कमी के कारण किसान परेशान हैं। निजी दुकानों को खाद आसानी से मिल रही है, लेकिन किसानों को दिन भर लाइन में लगकर भी खाद नहीं मिल पाती। कीमतें ब्लैक में 700 से 800 रुपए तक पहुंच गई हैं।

नागौद में खाद न मिलने पर किसानों ने आक्रोशित होकर प्रदर्शन और चक्का जाम किया। प्रशासन ने उन पर बलपूर्वक एफआईआर दर्ज कर मामला और बढ़ा दिया। किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह गुड्डू परसवारा ने भाजपा सरकार और प्रशासन पर सख्त आरोप लगाते हुए कहा कि यदि किसानों की समस्या जल्द नहीं सुलझाई गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

किसानों की यह कठिनाई और इनके गुस्से की तस्वीरें साफ बयान करती हैं कि खाद के बिना खेती बर्बाद हो सकती है, सरकार को जल्द कदम उठाना होगा।

## जिला अस्पताल में परिजनों का हंगामा, रीवा रेफर करने को लेकर हुआ विवाद; मरीज के साथ आए लोगों ने 2 एंबुलेंस के शीशे तोड़े

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सरदार वल्लभ भाई पटेल जिला अस्पताल में बुधवार-गुरुवार की रात हंगामा हुआ। मरीज को रीवा रेफर किए जाने से गुस्साए परिजनों ने वहां खड़ी दो एंबुलेंस में तोड़फोड़ कर दी। उन्होंने वाहनों के शीशे फोड़ दिए, जिससे दोनों एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पीड़ित चालकों ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

**रात 2 बजे की घटना:** घटना गुरुवार-शुक्रवार (28 अगस्त) की देर रात 2 बजे की है। मारुति नगर की रहने वाली अर्चना नामदेव को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें रीवा रेफर कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को 108 एंबुलेंस कॉल करके बुलाने को कहा, लेकिन वे अपनी मनमर्जी करने लगे। परिजनों ने अस्पताल की एंबुलेंस को अपने हिसाब से ले जाने की जिद पकड़ ली।

**एंबुलेंस चालकों से हुआ विवाद:** मौके पर मौजूद एंबुलेंस चालक राजेश वर्मा और दीपक सूर्यवंशी ने बताया कि परिजन जबरन उनकी गाड़ी ले जाने का दबाव बना रहे थे। नियम के मुताबिक, 108 एंबुलेंस से ही मरीज को रेफर किया जाता है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्साए परिजनों ने खड़ी एंबुलेंस (एमपी 19 जेडए 4590 और एमपी 19 एचएफ 1269) पर हमला कर दिया। उन्होंने पत्थर और लाठी से एंबुलेंस के शीशे तोड़ दिए और कई हिस्सों को नुकसान पहुंचाया।

**चालकों ने की सख्त कार्रवाई की मांग:** एंबुलेंस चालकों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से न सिर्फ संपत्ति का नुकसान होता है, बल्कि इमरजेंसी सेवाओं में भी बाधा आती है।

## गणेश भक्तों ने रक्तदान कर मनाया गणेश महोत्सव

### राजपाल परिवार व सुधामा तीर्थवानी ने पत्नी के साथ किया रक्तदान

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** श्री गणेश महोत्सव के ऐतिहासिक पर्व पर 29 अगस्त शुक्रवार को गणेश भक्तों ने रक्त दान करके गणेश महोत्सव मनाया अवसर था गणेश उत्सव समिति मीरानी कॉलोनी द्वारा मानव सेवार्थ आयोजित रक्तदान शिविर का जिसमे सर्वप्रथम बेटी काजल चंचलानी ने अपना स्वयं का रक्त देकर शिविर की शुरुआत की, रक्तदान की शुरुआत परिसर में स्थापित भगवान गणेश की आरती करके प्रारंभ की, इस अवसर पर रक्तवीरो के प्रेरक विनोद गेलानी वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर सुगानी, मनोहर डिगवानी नंदलाल रोहड़ा रविन्द्र पंजवानी जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आयोजक मंडल के निक्की मनचंदानी एवं विशाल राजपाल बिट्टू ने बताया मानवता की सेवा के लिए इस अवसर पर विशाल राजपाल रवि मघनानी संतोष राजपाल भरत सोनेजा राहुल फुलवानी अमन राजपाल वैभव राजपाल लकी चौधरी प्रीति नाथवानी संजय राजपाल निहिता वरदानी शशांक वर्मा जितेंद्र कुमारशाही किरण चंचलानी सुदामा तीर्थवानी कंचन तीर्थवानी रोहित प्रजापति कोमल मनचंदानी महक मनचंदानी चांदनी करण हासवानी करण खिलवानी गौतम वासवानी प्रिया खेमचंदानी कल्पना राजपाल गीता छूटानी मान्या वाधवानी रूपाली गंगवानी देवांश खटवानी रंजीत बिटानी कपिल सुगानी अभिषेक सोनी ने रक्तदान कर इंसानियत का सच्चा धर्म निभाया।

रक्त वीरों के प्रेरक विनोद गेलानी ने रक्तदाताओ को साधुवाद देते हुए कहा मानव सेवा के लिए रक्तदान की सेवा निरंतर करनी चाहिए क्योंकि आपका दिया हुआ रक्त 3 जरूरतमंद को नया जीवन देता है। इस अवसर पर मनोहर डिगवानी मनोहर शुगानी नंदलाल रोहड़ा रविंद्र पंजवानी विनोद गेलानी अनिल सेनानी मनीष सदानी अमित घोघवानी संजय वाधवानी विष्णु जानवाणी।

## किसानों के खिलाफ एफआईआर होगा बृहद आंदोलन : मुख्तार सिद्दीकी

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले में खाद की भारी कमी के कारण किसान परेशान हैं। निजी दुकानों को खाद आसानी से मिल रही है, लेकिन किसानों को दिन भर लाइन में लगकर भी खाद नहीं मिल पाती। कीमतें ब्लैक में 700 से 800 रुपए तक पहुंच गई हैं।

नागौद में खाद न मिलने पर किसानों ने आक्रोशित होकर प्रदर्शन और सड़क किनारे खड़े हो गए एस डी एम तहसीलदार टी आई की समझाइश के बाद वो मान गए सुबह से शाम लाइन में लगकर टोकन के बाद खाद न मिली एफआईआर मिली दुखद प्रशासन ने उन पर बलपूर्वक एफआईआर दर्ज कर मामला और बढ़ा दिया। जिला महामंत्री प्रदेश सचिव एडवोकेट मुखतार सिद्दीकी ने भाजपा सरकार और प्रशासन पर सख्त आरोप लगाते हुए कहा कि यदि किसानों की समस्या जल्द नहीं सुलझाई गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

एफआईआर वापस हो

किसानों की यह कठिनाई और इनके गुस्से की तस्वीरें साफ बयान करती हैं कि खाद के बिना खेती बर्बाद हो सकती है, सरकार को जल्द ठोस कदम उठाना होगा।

# खेल और पढाई में निरंतर अभ्यास अत्यंत आवष्यक है : राज्यमंत्री

## राष्ट्रीय खेल दिवस पर फुटबाल, रस्साकसी खेल गतिविधियों का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शुक्रवार को जवाहरनगर स्थित दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम में मेजर ध्यानचंद के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर आयोजन का शुभारंभ किया। इस मौके पर राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी द्वारा उपस्थित जनों तथा प्रतिभागी खिलाडियों को फिट इंडिया की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में महापौर योगेश ताम्रकार, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर विकास सिंह, सीएसपी देवेन्द्र सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, डॉ. धनंजय सिंह, सुनीता सिंह, खेल अधिकारी एसपी तिवारी, मीना त्रिपाठी, धीरेन्द्र सिंह सहित प्रतिभागी खिलाड़ी तथा खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। आयोजन के प्रथम दिन 29 अगस्त को फुटबाल तथा रस्साकशी जैसे मनोरंजक खेलों का आयोजन स्टेडियम में किया गया।

राज्यमंत्री बागरी ने कहा कि पढाई और खेल में सफलता पाने के लिए निरंतर अभ्यास आवश्यक है। निरंतर अभ्यास ही हमें अनुशासन, आत्मविश्वास और सफलता की राह दिखाती है। उन्होंने कहा कि खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। इसके साथ ही ध्यान भी आवश्यक है। ध्यान करने से मन और शरीर में एकाग्रता आती है। राज्यमंत्री ने कहा कि हॉकी के जादूगर के रूप में जाने व पहचाने जाने वाले मेजर ध्यानचंद हम सबके प्रेरणा स्त्रोत है। महापौर योगेश ताम्रकार ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आप पढाई और खेल दोनों को केन्द्रित करके आगे बढेंगे तो जीवन में कभी भी पीछे मुडकर देखना नहीं पडेगा।

**अतिथियों ने खेलो में आजमाए हाथ:** हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस पर दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम सतना में आयोजित जिला स्तरीय राष्ट्रीय खेल दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथियों ने भी विभिन्न खेलों में हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी और महापौर योगेश ताम्रकार ने बैडमिंटन कोर्ट में जाकर बैडमिंटन खेला। वही कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने टेबल टेनिस कोर्ट में बल्ले के जौहर दिखाए।

## कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने खाद की समस्या के साथ किसानों के ऊपर दर्ज एफआईआर को लेकर कलेक्टर से मिले

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** नवागत कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा डब्बू भैया ने खाद की विकट समस्या और नागौद थाने में किसानों के ऊपर दर्ज एफआईआर को लेकर जिला कलेक्टर सतीश कुमार एस से मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता देना और उनके अधिकारों की रक्षा करना था। सिद्धार्थ कुशवाहा ने कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने किसानों के ऊपर हुई एफआईआर को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह एफआईआर किसानों के लिए अत्यंत चिंताजनक है और इससे उनकी मेहनत और संघर्ष को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की समस्याओं का समाधान करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे अपनी फसल की बेहतर देखभाल कर सकें और आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें।

# कुत्ते के काटने के 28 दिन बाद युवक की मौत:परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप, मां बोली- बेटे को इंजेशन नहीं लगाया

**रतलाम, एजेंसी।** मेरा बेटा शाहरुख हुसैन अच्छा भला था। उसे कोई तकलीफ नहीं थी। प्रतिदिन वह सुबह जल्दी उठकर मंडी में हम्माली करने जाता था। 31 जुलाई की सुबह वह मंडी जाने के लिए घर से पैदल निकला। सुबह करीब 5.30 बजे सायर चबूतरा पर कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। दाहिना पैर के घुटने के नीचे इतना जोरदार काटा की उसका मांस निकल गया। शुरुआत में सही इलाज मिल जाता तो आज हमें यह दिन देखने को नहीं मिलता। हमारा बच्चा हमारे हाथों से नहीं जाता। उसके तीन बच्चे अनाथ नहीं होते। किराए के मकान में रहकर हम्माली करता था। अब उसके तीन बच्चे को कौन पालेगा।



आंखों में आंसू के साथ यह दर्द उस पिता का था जिसने अपने जवान बेटे को कुत्ते के काटने से खोया है। पिता नासिर हुसैन ने जिला अस्पताल से लेकर रतलाम के शासकीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय मेडिकल कॉलेज में समय पर इलाज नहीं करने व कुत्ते के काटने के बाद घाव पर लगाने वाला इंजेक्शन नहीं लगाने का आरोप लगाया है। जिससे उसे रैबीज के सिंप्टम्स आ गए। मौत के तीन दिन पहले वह हवा से डरने लगा था। पानी पीने में भी डर रहा था, खाना-पीना छोड़ दिया था। मुहं से लार टपक रही थी।

रतलाम शहर के अशोक नगर में रहने वाला शाहरुख (30) पिता नासिर हुसैन सैलाना बस स्टैंड सब्जी मंडी में सुबह हम्माली करता था और दिन में वह ऑटो रिक्शा चलाता था। 31 जुलाई की सुबह मंडी पैदल जाते समय उसे सायर चबूतरा पर कुत्ते ने काट लिया। पिता नासिर हुसैन व इनके दोस्त इरफान जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार कर कहा कि हमारे पास घाव पर लगाने वाला इंजेक्शन नहीं है। वह 16 हजार रुपए का आता है। 72 घंटे में इंदौर ले जाने को कहा। फिर वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सुबह वहां पर इंजेक्शन बॉटल में लगाया। 4 से 5 घंटे भर्ती रखा, फिर शाम 5 बजे छुट्?टी कर दी। अगले दिन से बेटा अपने काम पर जाने लगा।

**23 अगस्त को बिगड़ी तबीयत :** 23 अगस्त को शाहरुख के पैर में दर्द होने लगा। मंडी से वह घर लौटा। परिजनों को बताया, तब पिता नासिर हुसैन व भाई मोहम्मद शाहिद उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। ड्यूटी डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर उसे एडमिट कर दिया। इससे उसे थोड़ा बहुत आराम मिला। लेकिन, बाद में फिर इसकी तबीयत बिगड़ी। हॉस्पिटल के डॉक्टर अंकित जैन को अलग से प्राइवेट बताया। उन्होंने इसे जिला अस्पताल में ही भर्ती रखा। मंगलवार शाम (26 अगस्त) को फिर तबीयत बिगड़ी। शरीर सुन होने लगा। तब डॉक्टर को फिर से बताया तो कहा कि नस की तकलीफ है। कुत्ते के काटने की तकलीफ नहीं बताई। अगले दिन कहा कि कुत्ते के काटने से नस दब गई है। फिर से बेटे को बॉटल व इंजेक्शन लगाए गए। आईसीयू में एडमिट कर दिया।

**पहले दाहोद फिर अहमदाबाद लेकर गए :** पिता ने बताया कि 26 अगस्त को रैबीज के लक्षण दिखने पर जिला अस्पताल से बेटे को फिर से मेडिकल कॉलेज रेफर किया। हम उसे वहां नहीं ले जाते हुए रात 3 बजे प्राइवेट गाड़ी कर गुजरात के दाहोद के जाइडस हॉस्पिटल लेकर गए। वहां से हमें इंदौर या अहमदाबाद जाने को कहा। हम दोपहर 12 बजे अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल लेकर गए। वहां से कहां की आखरी स्टेज है, अब कोई इलाज नहीं हो सकता। इसके बाद उसे दोपहर 3 बजे अहमदाबाद में ही प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए। जहां पांव का घाव व शरीर की हरकत को देख डॉक्टरों ने कहा कि रैबीज का जहर शरीर में चढ़ गया है। अब इसका कोई इलाज नहीं है, घर जाने को कह दिया। शाम 5 बजे अहमदाबाद से वापस निकले। रात में मेघनगर पहुंचते ही बेटे ने दम तोड़ दिया।

**भाई ने कहा इंजेक्शन घाव पर नहीं लगाया :** शाहरुख के भाई मोहम्मद शाहिद ने बताया कि जब 31 जुलाई को भाई को अस्पताल ले जाया गया था, तब गुजरात के डॉक्टरों ने यह जानना चाहा कि उसे इंजेक्शन सही तरीके से लगाया गया था या नहीं। तब शाहरुख ने खुद बताया था कि इंजेक्शन शरीर पर नहीं, बल्कि बॉटल में लगाया गया था और उसी दिन शाम को छुट्टी भी दे दी गई थी।

गुजरात के डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा कि मेडिकल कॉलेज की लापरवाही रही, क्योंकि जब कुत्ते का काटा हुआ घाव बड़ा होता है, तो खास इंजेक्शन (इम्यूनोग्लोबुलिन) घाव के पास लगाया जाना जरूरी होता है। यह इंजेक्शन प्राइवेट में 16 से 17 हजार रुपये का आता है। शाहरुख को यह इंजेक्शन नहीं लगाया गया।

# मंदसौर जिले में स्क्रब टायफस के 60 मरीज मिले:पिस्सुओं के काटने से फैलती है बीमारी, डॉक्टरों ने दी सतर्क रहने की सलाह

**मंदसौर, एजेंसी।** मंदसौर जिले में स्क्रब टायफस बीमारी तेजी से फैल रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक जिलेभर में 60 मरीज सामने आ चुके हैं। जिला चिकित्सालय में रोजाना बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों ने लोगों को सतर्क रहने और लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल जाने की हिदायत दी है।



**गावों से भी लगातार आ रहे मरीज :** मंदसौर शहर के अलावा सुवासरा, लसूड़िया, तितरोद, आक्याबिका, कचनारा और हरिपुरा जैसे ग्रामीण इलाकों से भी मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। हर दिन सैकड़ों लोग बुखार और संक्रमण की शिकायत लेकर जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं।

**पिस्सुओं के काटने से फैलती है बीमारी :** स्क्रब टायफस पिस्सुओं के काटने से फैलती है। ये पिस्सू चूहों पर रहते हैं और घरों में पहुंचकर इंसानों को काट लेते हैं। इनके काटने से रिक्टिशिया सुसुगामुशी नामक जीवाणु शरीर में पहुंच जाता है, जो खून में फैलकर दिमाग और फेफड़ों में संक्रमण पैदा करता है। 2017 में पहली बार मिला था केस मंदसौर जिले में स्क्रब टायफस पहली बार साल 2017 में मिला था। तब से हर साल मरीज सामने आ रहे हैं। हालांकि अब तक इस बीमारी से किसी की मौत नहीं हुई है।

# सागर में महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार:घर में अकेला पाकर किया था गलत काम, 6 साल से कर रहा था परेशान

**सागर, एजेंसी।** सागर कोतवाली पुलिस ने एक महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में इकबाल पिता रफीक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिछले छह सालों से पीड़िता को परेशान कर रहा था। 40 वर्षीय पीड़िता ने दो दिन पहले कोतवाली थाने में एक शिकायती आवेदन दिया था। उसने बताया कि इकबाल से उसकी पहचान कुछ साल पहले हुई थी। काम के सिलसिले में उसका इकबाल के घर आना-जाना होता था और कभी-कभी इकबाल भी उसके घर आता था। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि एक अगस्त 2019 को इकबाल उसके घर आया, उस समय वह घर में अकेली थी। इकबाल ने इसका फायदा उठाकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और बाद में उसे डरा-धमका कर लगातार दुष्कर्म करता रहा।

पीड़िता ने बताया कि 24 अप्रैल को भी इकबाल ने उसके साथ दुष्कर्म किया। परेशान होकर उसने इकबाल से दूरी बना ली, लेकिन इकबाल लगातार उसे परेशान करने लगा और मिलने की बात कहकर धमकाने लगा। इकबाल की हरकतों से तंग आकर पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर इकबाल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फिलहाल इकबाल से पूछताछ कर रही है।

# कुत्ता गुमने पर आरक्षक की पिटाई का मामला: पीड़ित की मेडिकल जांच हुई, 30 घंटे चला धरना, पत्नी ने थाने में दी आत्महत्या की चेतावनी

**खरगोन, एजेंसी।** खरगोन में आरक्षक राहुल चौहान की कथित पिटाई मामले में आदिवासी समाज ने करीब 30 घंटे धरना दिया। यह घटना एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आरआई सौरभ कुशवाहा के कुत्ते के गुमने के बाद हुई थी। प्रशासन ने आदिवासी प्रतिनिधियों को आरक्षक की मेडिकल जांच और पत्नी के कथन दर्ज करवाने के आश्वासन पर आंदोलन समाप्त किया। मेडिकल रिपोर्ट गोपनीय है और कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी। आरोप है कि आरआई सौरभ कुशवाहा ने कथित रूप से आरक्षक राहुल चौहान को बेल्ट और चप्पल से पीटा और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। घटना 23 अगस्त की रात को कुशवाहा के शासकीय निवास पर हुई। घटना का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें राहुल ने अपने शरीर पर चोटों के निशान दिखाए।

कॉन्स्टेबल राहुल चौहान

**आदिवासी संगठनों और कांग्रेस ने विरोध जताया :** जाय आदिवासी युवा शक्ति (छ्व्रङ्घस्) और कांग्रेस सहित कई आदिवासी संगठनों ने हाईवे पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस के तीन विधायक धरने में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केवल निलंबन को पर्याप्त न मानते हुए स्ष्ट/स्ञ्ज एक्ट के तहत एफआईआर की मांग की।

**मेडिकल जांच और पत्नी के बयान के बाद आंदोलन समाप्त :** आंदोलनकारी प्रशासन से मेडिकल जांच और राहुल की पत्नी के बयान दर्ज कराने की मांग पर अड़े थे। मेडिकल जांच जिला अस्पताल में हुई, जिसमें डॉक्टर ने रिपोर्ट को गोपनीय बताते हुए टिप्पणी करने से इनकार किया। जयश्री (राहुल की पत्नी) ने थाने में अपनी बात रखी और न्याय न मिलने पर आत्महत्या की चेतावनी दी। अंत में बयान दर्ज हुए और प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई का भरोसा दिया।

# पोहा बेचने वाले से विवाद पर बुजुर्ग ने किया फायर:दुकान के सामने कचरे की बाल्टी को लेकर हुआ था विवाद, एफआईआर दर्ज

**उज्जैन, एजेंसी।** उज्जैन में देवास गेट थाना क्षेत्र के दूधतलाई एरिया में प्लायवुड दुकान संचालक का गुरुवार शाम दुकान के बाहर पोहा का ठेला लगाने वाले से विवाद हो गया। कहासुनी के दौरान बात इतनी बढ़ गई कि 66 वर्षीय प्लायवुड व्यापारी ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकालकर पोहा व्यवसायी पर तान दी। कोई कुछ समझ पाता, उससे पहले ही बुजुर्ग व्यापारी ने हवाई फायर कर दिया। इससे पहले ठेला संचालक और उसके साथियों ने भी दुकान में घुसकर पिस्टल निकालने वाले व्यापारी पर हमला किया था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। दूधतलाई मार्ग पर अशोक की प्लायवुड की दुकान है। दुकान के सामने राजेंद्रनगर नीलगंगा निवासी गेंदालाल पोहा का ठेला लगाता है। गुरुवार को गेंदालाल की पानी और कचरे की बाल्टी प्लायवुड दुकान के सामने रखी थी। इस बात पर कहासुनी और विवाद बढ़ गया। इसमें गेंदालाल अपने पुत्र मुकेश और अन्य लोगों के साथ दुकान में घुसकर अशोक को पहले हाथ और फिर वाइपर से मारता दिख रहा है। इसके बाद तैश में आकर व्यापारी अशोक ने लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायर कर दिया। देवासगेट पुलिस मौके पर पहुंची और बुजुर्ग व्यापारी को हिरासत में ले लिया।



**आज कोर्ट में पेश करेगी पुलिस :** घटना के बाद गेंदालाल थाने पहुंचा और शिकायत की। मामले की जांच के बाद आर्म्स एक्ट के साथ धारा 115(2), 296, 351(2), 110 भारतीय दंड संहिता में प्रकरण दर्ज कर अशोक को गिरफ्तार किया गया। उससे पिस्टल और चलाई गई गोली का खोखा जब्त कर लिया गया। उसे शुक्रवार दोपहर कोर्ट में पेश किया जाएगा। देवासगेट थाना प्रभारी (टीआई) अनिला पाराशर ने बताया कि ठेला लगाने वाले और दुकानदार का विवाद दुकान में लगे कैमरे में कैद हो गया।

# दादा धूनीवाले दरबार में 20 तोला सोने-चांदी की आहुति:200 साड़ियों, 11 हजार लड्डू, 20 पीपा रसगुल्ले से हवन किया, भक्तों को बांटी भस्म

**नर्मदापुरम, एजेंसी।** नर्मदापुरम में दादा धूनीवाले दरबार में चल रहे अनुष्ठान में 20 तोला सोने और चांदी की आहुति दी गई। इसके अलावा हवन में 200 साड़ियां, चुनरियां, मगज के 11 हजार लड्डू, 20 पीपा रसगुल्ला, फल और पूजन सामग्री भी डाले गए। हवन कुंड की भस्म भक्तों को प्रसाद के रूप में बांटी गई। ये अनुष्ठान नर्मदापुरम के हैप्पी मैरिज गार्डन में 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर शुरू हुआ था। समापन आज शुक्रवार शाम होगा। इससे पहले गुरुवार रात को आयोजित महाहवन और महाआरती में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। आयोजन परंपरागत %धूनीमाई% पद्धति से किया गया, जो दादाजी के समय से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है।



सेवादार दादा शिवानंद महाराज ने कहा- किसी धार्मिक अनुष्ठान में पहली बार ऐसी हवन सामग्री अर्पित की गई है। यदि कोई ऐसा करता है, तो उसे 7 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इस तरह के आयोजन का प्रमाण वीडियो के रूप में पेश करने पर 51 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा।

**अब तक सवा किलो सोना, एक किलो चांदी की आहुति :** सेवादार दादा शिवानंद महाराज ने बताया कि 51 दिन से जारी हवन में रोज काजू, किशमिश, बादाम, लड्डू और नारियल की आहुति दी जा रही है। हर गुरुवार को विशेष महाआरती और हवन होता है। 10 जुलाई से 29 अगस्त तक हर गुरुवार को 20 तोला सोना और चांदी के आभूषण की आहुति दी गई। अब तक करीब सवा किलो सोना और एक किलो चांदी की आहुति दी जा चुकी है। इस भस्म को प्रसादी के रूप में बांटा जाता है। दादाजी सेवक साहब सिंह लोधी ने बताया- हवन के बाद धूनीमाई की भस्म को छान लिया जाता है। बड़े अवशेष नर्मदा नदी में विसर्जित कर दिए जाते हैं। बची भस्म को श्रद्धालुओं में बांट दिया जाता है।

**चंदा या आर्थिक सहयोग नहीं लिया, स्वेच्छा से मिली सामग्री का उपयोग :** शिवानंद महाराज ने बताया कि पूरे आयोजन में किसी भी श्रद्धालु से चंदा या आर्थिक सहयोग नहीं लिया गया। जो भी सामग्री उपयोग की गई, वह श्रद्धालुओं द्वारा स्वेच्छा से दी गई थी। इसी सामग्री का उपयोग दरबार में भंडारे और हवन के लिए किया गया।

51 दिन तक लगातार सुबह-शाम काशी से आए ब्राह्मणों ने रूद्राभिषेक, हवन और आरती की। दोनों समय भंडारे हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। शिवानंद महाराज ने कहा कि यदि उनका प्रवास नवरात्रि के समय नर्मदापुरम में रहेगा तो ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तशती के अखंड पाठ कराए जाएंगे। अखंड ज्योति भी जलाई जाएगी।

**100 से ज्यादा घंटे बांधे, 5100 दीपकों से सजाया :** अनुष्ठान में पहुंचे छीपानेर निवासी पृथ्वीराज सिंह चौहान ने बताया कि वे परिवार सहित हर दिन 51 हजार नर्मदेश्वर शिवलिंग के अभिषेक में शामिल रहे। उन्होंने कहा कि दादाजी का दरबार केवल मनोकामना पूर्ति नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग भी है। आयोजन स्थल पर 100 से अधिक घंटे बांधे गए थे। मंच को 5100 दीपकों से सजाया गया था।

## खंडवा में गणेश पांडाल पर गिरी बिजली, एक की मौत:3 नाबालिग घायल; खरखरी गांव में आरती के बाद बारिश से बचने रुके थे सभी दोस्त


सुरेश वासरे (17)

**खंडवा, एजेंसी।** खंडवा में गणेश जी के पांडाल पर आकाशीय बिजली गिर गई। पांडाल में मौजूद गांव के चार नाबालिग दोस्त झुलस गए। इनमें से एक की मौत हो गई, वहीं तीन की हालत नॉर्मल है। घटना गुरुवार की रात पंधाना क्षेत्र के ग्राम खरखरी (राजगढ़) की है। ग्रामीणों के मुताबिक, गुरुवार शाम को गणेश जी की आरती बाद के बाद अचानक बारिश शुरू हो गई। पांडाल के भीतर बारिश से बचने के लिए कुछ बच्चे रुक गए थे। वे बारिश के थमते ही घर के लिए रवाना होने वाले थे। इसी बीच आकाशीय बिजली तड़कते हुए पांडाल पर गिर गई। रात 9 बजे के करीब आकाशीय बिजली ने चार नाबालिगों को चपेट में ले लिया। इनमें 17 वर्षीय सुरेश पिता रूपसिंह वासरे की मौत हो गई। वहीं बादल पिता मुन्ना, बिसेन पिता चमन, बिसेन पिता कैलाश घायल हो गए है, इनकी उम्र भी 16 से 18 साल के बीच की है। सभी आदिवासी बारेला समाज के है।

**पांडाल को चीरते हुए भीतर गिरी बिजली :** गुरुवार को जिले में भारी बारिश का अलर्ट था। सुबह कहीं-कहीं तेज बारिश हुई और फिर मौसम साफ हो गया। दोपहर बाद घने बादल छाए और पंधाना, खालवा क्षेत्र में तेज बारिश हुई। इस बीच मौसम विभाग ने आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया था। वहीं खरकरी गांव में गणेश पांडाल पर बिजली गिर गई, जो कि पांडाल के टेंट को चिरते हुए भीतर गिरी और बच्चों को चपेट में लिया।

**पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजन के सुपुर्द किया :** पंधाना टीआई दिलिप देवड़ा के मुताबिक, घटना गुरुवार देर रात की है। मृतक और घायलों को लेकर परिजन सीधे पंधाना अस्पताल आ गए थे। एक की मौत हुई है, वहीं 3 घायलों की हालत ठीक है। मौत के मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमॉर्टम कराया गया है। शव को परिजन के सुपुर्द कर दिया है।

## रायसेन में कचरा वाहन में मिली नवजात बच्ची:कर्मचारी ने रोने की आवाज सुनी तो गाड़ी रोकी, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस



**रायसेन ।** रायसेन जिले के बरेली में कचरा वाहन में नवजात मिली है। शुक्रवार सुबह वाहन के हेल्पर को गाड़ी के अंदर से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। उसने ड्राइवर को बताया। गाड़ी रोककर देखा तो कचरे के बीच बच्ची दिखी। नवजात को बरेली सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, फिलहाल बच्ची की सेहत स्थिर है।बरेली थाना प्रभारी कपिल गुप्ता ने कहा- पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बच्ची को वाहन में किसने और कब डाला? उसके परिजन कौन हैं? डिलीवरी किसने-कहां कराई? कचरा वाहन के रूट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साथ ही क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

**एनजीओ के सदस्य लेकर पहुंचे अस्पताल :** कचरा वाहन के ड्राइवर इरशाद ने बताया- हम वार्ड नंबर 13-14 से गुजर रहे थे। मेरे हेल्पर रवि ने कहा कि भैया गाड़ी में से बच्चे के रोने की आवाज आ रही है। जब हमने उतरकर देखा तो उसमें बच्ची मिली। मैंने अपने प्रभारी को फोन लगाया। इतनी देर में पार्षद बीएन धाकड़ भी आ गए थे। मौके पर मौजूद किसी शख्स ने एनजीओ %पहल% को फोन लगा दिया। एनजीओ के सदस्य भी वहां आ गए। उन्होंने बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया।

## नेपानगर में आंधी-बारिश से फसलों का नुकसान: 25 से अधिक किसानों की पकी केला फसल जमींदोज



**बुरहानपुर ।** बुरहानपुर के नेपानगर क्षेत्र में गुरुवार रात तेज बारिश और आंधी ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। ग्राम सीवल में 25 से अधिक किसानों की पककर तैयार खड़ी केला फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। इसके अलावा मक्का और कपास की फसलें भी प्रभावित हुई हैं। किसान पांडुरंग महाजन ने बताया कि रात में बारिश और तेज हवाओं से उनकी पूरी तरह तैयार केला फसल चौपट हो गई। चेतन खाचने, रितेश चौधरी, आयुष सुरेश और युवराज खाचने समेत कई किसानों को भी भारी नुकसान हुआ। सुबह किसानों ने खेत पहुंचकर नुकसान की जानकारी राजस्व विभाग को दी।

**नुकसान का सर्वे करेगी राजस्व टीम :** एसडीएम भागीरथ वाखला ने बताया कि नुकसान का आकलन करने के लिए राजस्व विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया है। टीम किसानों की फसलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करेगी।

**धुपगट्टा में घरों में घुसा पानी, हाईवे ट्रैफिक डायवर्ट :** तेज बारिश से धुपगट्टा गांव में पानी भर गया। बरसाती नदी की निकासी का रास्ता नहीं होने से कई घर प्रभावित हुए। स्थिति देखने के लिए एसडीएम भागीरथ वाखला शुक्रवार को गांव पहुंचे। रात में इंदौर-मुक्ताईनगर हाईवे का ट्रैफिक पुलिस ने खंडवा के बोरगांव से नेपानगर होते हुए दर्यापुर रोड पर डायवर्ट किया था।

**केला फसल पर बीमा का लाभ नहीं, किसान परेशान :** जिले में केला फसल पर किसानों को बीमा का लाभ नहीं मिलता। 2018-19 में एक बार बीमा मिला था, लेकिन उसके बाद से यह सुविधा बंद हो गई। किसान लगातार मांग कर रहे हैं कि केला फसल को बीमा में शामिल किया जाए। किसानों का कहना है कि प्राकृतिक आपदाओं से हर साल फसल बर्बाद हो जाती है, लेकिन मुआवजा इतना कम मिलता है ।

डायमंड लीग फाइनल 2025

# दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा, जूलियन वेबर ने जीता खिताब

**ज्यूरिख, एजेंसी।** दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को डायमंड लीग फाइनल 2025 में लगातार तीसरी बार उपविजेता स्थान से संतोष करना पड़ा। जर्मनी के जूलियन वेबर ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए दो 90 मीटर से अधिक के थ्रो के दम पर अपना पहला खिताब जीत लिया।

नीरज ने शुरुआती थ्रो में 84.35 मीटर फेंककर तीसरे स्थान पर शुरुआत की थी। पांचवें राउंड तक वह तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरी प्रयास में 85.01 मीटर की थ्रो के साथ उन्होंने ट्रिनिडाड और टोबैगो के 2012 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता केशोर्न वालकॉट (84.95 मीटर) को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। वेबर ने दूसरे प्रयास में सीजन का सर्वश्रेष्ठ 91.57 मीटर का थ्रो किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी रहा। उन्होंने पहले प्रयास में 91.37 मीटर की दूरी तय की थी। इसके बाद 83.66 मीटर, 86.45 मीटर और 88.66 मीटर के थ्रो दर्ज किए। पूरे मुकाबले में वेबर का दबदबा इतना था कि उनके नजदीक भी कोई अन्य प्रतिद्वंद्वी नहीं पहुंच सका।

भारतीय स्टार नीरज इस बार अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे। छह प्रयासों में से केवल तीन ही मान्य रहे और वह महज़ 85 मीटर तक ही पहुंच पाए। लगातार 88 मीटर से ऊपर थ्रो करने के लिए मशहूर नीरज के लिए यह एक दुर्लभ मौका रहा, जब वह अपनी लय में नजर नहीं आए।

नीरज ने 2022 में डायमंड लीग ट्रॉफी जीती थी, लेकिन 2023 और 2024 की तरह इस बार भी उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अब वह अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में खिताब बचाने के इरादे से उतरेंगे।

## बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

**पेरिस, एजेंसी।** भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता और विश्व नंबर-6 जोड़ी लियांग वेई कंग तथा वांग चांग को 19-21, 21-15, 21-17 से हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

निर्णायक गेम में सात्विक-चिराग 15-17 से पिछड़ रहे थे, लेकिन इसके बाद लगातार छह अंक हासिल कर मुकाबला अपने नाम किया। यह इस चीनी जोड़ी के खिलाफ नौ मुकाबलों में केवल तीसरी जीत है। अब भारतीय जोड़ी का सामना क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर-2 मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वू यिक से होगा। इससे पहले, गुरुवार को पी.वी. सिंधु और मिश्रित युगल की जोड़ी तनीषा क्रास्टो व ध्रुव कपिला ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

## खेल मंत्री मंडाविया ने जेएलएन स्टेडियम में किया भारत के पहले मोंडो ट्रैक का उद्घाटन

**नई दिल्ली,** एजेंसी। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भारत के पहले मोंडो ट्रैक का उद्घाटन किया। यहीं पर 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप होगी। इसी के साथ भारत ओलंपिक सहित प्रमुख वैश्विक एथलेटिक्स आयोजनों में उपयोग किए जाने वाले ट्रैक सतह को स्थापित करने वाला विश्व का 25वां देश बन गया।

उद्घाटन समारोह में विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य विजेता पूर्व लम्बी कूद खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज, दो बार के पैरालंपिक चैंपियन और भारतीय पैरालंपिक समिति के प्रमुख देवेंद्र झाझरिया, तथा भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल, धावक प्रीति पाल और सिमरन शर्मा जैसे कई पैरालंपिक पदक विजेता उपस्थित थे। यह ट्रैक दो-परत वाले वल्केनाइज्ड रबर से बना है, जो एथलीटों के प्रदर्शन को बढ़ाता है और चोट के जोखिम को कम करता है।

मंडाविया ने कहा कि यह सुविधा भारतीय खेलों के लिए नए क्षितिज खोलेगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यह देश के लिए एक महान क्षण है और हम सभी को आज गर्व है कि भारत के पास अब अपना मोंडो ट्रैक है। आने वाले महीनों में यह अपनी पहली प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा और भारत अब राष्ट्रमंडल खेल 2030 और ओलंपिक 2036 के लिए औपचारिक रूप से बोली लगाएगा और उम्मीद है कि उसे मंजूरी मिल जाएगी। मंत्री ने भारतीय खेलों के लिए सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने प्रतिभाओं को निखारने और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के रोडमैप पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमारा लक्ष्य 2047 तक भारत को खेलों का महाशक्ति बनाना है।

भारतीय पैरालंपिक समिति के प्रमुख देवेंद्र झाझरिया ने अपने मीडिया संबोधन में कहा, मैं हमेशा एक खिलाड़ी के रूप में मोंडो ट्रैक पर भाला फेंकना चाहता था, लेकिन आज, एक प्रशासक के रूप में इस ट्रैक का उद्घाटन देखकर गर्व महसूस हो रहा है। इससे भारतीय एथलीटों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मैं देश के लोगों को राष्ट्रीय खेल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं, आज हम सभी ने भारत को फिट रखने और इसे और बेहतर बनाने की शपथ ली है।

## प्राइम वॉलीबॉल लीग सीजन 4 की मेजबानी करेगा तेलंगाना, मुख्यमंत्री ने दिया पूरा समर्थन

**हैदराबाद, एजेंसी।** तेलंगाना प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल)के चौथे सीजन की मेजबानी करेगा। यह लीग 2 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगी। इस आयोजन को तेलंगाना सरकार का पूरा समर्थन देने को तैयार है।

पीवीएल सीजन 4 को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक बयान में कहा, तेलंगाना खेलों को बड़े उत्साह से अपनाता है। पीवीएल का चौथा सीजन हैदराबाद में आयोजित होना राज्य के खेल ढांचे को प्रदर्शित करेगा और युवाओं को खेलों से जुड़ने की प्रेरणा देगा। सरकार इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरा सहयोग देगी।

खेल मंत्री वाकटी श्रीहरी ने कहा कि पीवीएल के आयोजकों की मेहनत और समर्पण काबिले तारीफ़ है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद एक बार फिर वॉलीबॉल के रोमांचक मुकाबलों का गवाह बनेगा और राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि खिलाड़ियों और दर्शकों को बेहतरीन अनुभव मिले।

हैदराबाद ब्लैक हॉक्स के मालिक अभिषेक रेड्डी ने सरकार के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। बेंगलुरु टॉरपीडोज़ के सह-मालिक यशवंत बियाला ने कहा कि हैदराबाद की खेल संस्कृति पीवीएल को और रोमांचक बनाएगी।

पीवीएल के सीईओ जॉय भट्टाचार्ज्या ने बताया कि इस बार प्रसारण रणनीति को और मज़बूत किया गया है। टीवी पर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ-साथ पीवीएल का आधिकारिक यू ट्यूब चैनल भी लाइव स्ट्रीम करेगा,जिससे प्रशंसकों को कई भाषाओं में मैच देखने का अवसर मिलेगा।

गाचीबौली इंडोर स्टेडियम इस सीजन के सभी 38 मुकाबलों की मेजबानी करेगा, जिनमें दो सेमीफाइनल और फाइनल शामिल हैं। इस बार लीग में नई टीम गोवा गार्जियंस के जुड़ने से कुल 10 फ्रेंचाइज़ी हिस्सा लेंगी।

## पीकेएल 12 के अपने पहले मैच में तेलुगु टाइटंस से भिड़ने को तैयार हैं सशक्त यूपी योद्धाज

**विशाखापट्टनम, एजेंसी।** प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2025 सीज़न में यूपी योद्धाज अपना अभियान 30 अगस्त को राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम, विशाखापट्टनम में मेजबान तेलुगु टाइटंस के खिलाफ शुरू करेंगे। पिछले सात सीज़नों में छह बार क्वालिफाई करने वाली यह टीम एक और शानदार सीज़न की नींव रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। जसवीर सिंह की कोचिंग और डिफेंडर सुमित सांगवान की कप्तानी में टीम के पास आशु सिंह, गुमान सिंह और सुरेंदर गिल जैसे उभरते सितारों की मजबूत लीडरशिप ग्रुप भी मौजूद है।

योद्धाओं की टीम में इस बार नई ऊर्जा का संचार दिख रहा है। नीलामी से पहले उन्होंने अपने अधिकांश खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया था और फिर कुछ रणनीतिक खरीदारी की, जिसने टीम की ताकत को नए स्तर तक बढ़ा दिया। कप्तान सुमित सांगवान ने कहा, हमें अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है, चाहे वे पुराने हों या नए। टीम का प्री-सीज़न बेहद सकारात्मक रहा है और हम इस बार खिताब जीतने की गंभीर चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। पूरे दल में उत्साह है और हम अपने प्रशंसकों को घर बैठकर सिर्फ खुशी देना चाहते हैं। योद्धाज ने सबसे पहले अपने डिफेंस को मजबूत करने के लिए महेन्दर सिंह और मोहम्मदरेज़ा कबूद्राहंगी को शामिल किया, वहीं रेडिंग विभाग को धार देने के लिए स्टार रेडर गुमान सिंह को 1.073 करोड़ रुपये में खरीदा। इनके अलावा भवानी राजपूत, गगन राजू गौड़ा, सुरेंदर गिल, केशव कुमार, शिवम चौधरी, राइट कॉर्नर हितेश, लेफ्ट कॉर्नर सुमित सांगवान, राइट कवर आशु सिंह और राइट कॉर्नर साहुल कुमार जैसे खिलाड़ी टीम की उम्मीदों के केंद्र में रहेंगे। इन सबने पिछली बार शानदार प्लेऑफ़ रन में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। दूसरी ओर, टाइटंस का पिछला सीज़न औसत दर्जे का रहा। उन्होंने 22 मैच खेले, जिसमें 12 जीत और 10 हार के साथ कुल 66 अंक हासिल किए। हालांकि, आखिरी पांच में से तीन मैच हारने के चलते वे महज़ चार अंकों से टॉप-6 में जगह बनाने से चूक गए और अंततः सातवें स्थान पर रहे। अपने घरेलू मैदान पर उतरते हुए टाइटंस सीज़न की शुरुआत दमदार तरीके से करना चाहेंगे, लेकिन सामने उन्हें एक बेहद सशक्त चुनौती देने वाली यूपी योद्धाज की टीम होगी, जो अब तक अपने पीकेएल सफर में लगातार अच्छा प्रदर्शन का पर्याय रही है।

# एशिया कप से पहले केरल क्रिकेट लीग में गरजा सैमसन का बल्ला

### गेंदबाज हुए बेहाल; गंभीर की बढ़ी मुश्किलें

**नई दिल्ली,एजेंसी।** केरल क्रिकेट लीग 2025 में संजू सैमसन ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा है। उनकी बल्लेबाजी में गजब की स्थिरता और आक्रामकता दोनों देखने को मिली। सैमसन के लिए लीग की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। कोच्चि ब्लू टाइगर्स के कप्तान को अदाणी त्रिवेंद्रम रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। इसके बाद अल्लेप्पी रिपल्स के खिलाफ दूसरे मैच में 22 गेंद में 13 रन की पारी खेली थी। हालांकि, इसके बाद उनके बल्ले ने धमाल किया और चौके-छक्कों की बरसात कर दी।

इसके बाद एराइज कोल्लम सेलर्स के खिलाफ सैमसन ने शतक जमाया था। उन्होंने 51 गेंद में 121 रन बनाकर कोच्चि की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस पारी में उन्होंने 14 चौके और सात छक्के लगाए थे। इस पारी के दौरान उन्होंने बेहतरीन स्ट्रोक्स खेले और दिखाया कि वे कितने भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। खास बात तो ये कि वह ओपनिंग करने उतरे थे। जबकि पिछले मैचों में उन्हें मध्यक्रम में मौका मिला था।

### बाकी की पारियों में बड़ी दस्तक

इसके बाद थ्रिसुर टाइटंस के खिलाफ सैमसन ने 46 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली। यह पारी उनके आक्रामक अंदाज का नमूना थी। स्ट्राइक रेट और लगातार चौके-छक्कों से उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया। उन्होंने पारी के दौरान चार चौके और नौ छक्के जड़े। उनकी इस पारी में शॉट सिलेक्शन, टाइमिंग और पावर हिटिंग का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला। इस पारी के बाद सैमसन को 'मैच विनर' के तौर पर सराहा गया।

### एक और अर्धशतक से दिखाया फॉर्म

कैलिकट ग्लोबस्टार्स के खिलाफ वह नहीं खेले और फिर अदाणी त्रिवेंद्रम के खिलाफ मैच में 37 गेंद पर चार चौके और पांच छक्कों की मदद से 62 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। एशिया कप से पहले उन्होंने खुद के शानदार फॉर्म का नमूना पेश किया है और बताया है कि वह अभी रेस से बाहर नहीं हुए हैं और प्लेइंग-11 में शामिल होने का दमखम रखते हैं।

### एशिया कप 2025 नजदीक

संजू सैमसन का यह शानदार प्रदर्शन भारत की एशिया कप 2025 प्लेइंग-11 के चयन के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। हाल ही में वह काफी चर्चाओं में रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चयनकर्ताओं ने जितेश शर्मा को बतौर फिनिशर शामिल किया है और शुभमन गिल की बतौर उपकप्तान भारतीय टी20 टीम में वापसी से सैमसन के लिए मुश्किलें खड़ी हुई हैं। गिल और अभिषेक का ओपनिंग करना तय माना जा रहा है। ऐसे में पांचवें या छठे नंबर पर जितेश का सैमसन से बेहतर रिकॉर्ड होने की वजह से उन्हें तरजीह मिलने की बात हो रही थी। हालांकि, सैमसन का शानदार फॉर्म चयनकर्ताओं पर दबाव बनाएगा। उनके फॉर्म को देखते हुए चयनकर्ता शानदार फॉर्म में चल रहे तिलक वर्मा की जगह भी सैमसन को खिला सकते हैं और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी सौंप सकते हैं। एशिया कप में प्लेइंग-11 का चयन करना टीम मैनेजमेंट के लिए काफी मुश्किल होगा।

### दिग्गजों की राय

संजू सैमसन की जगह को लेकर पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के पास विकेटकीपर-बल्लेबाजों की कमी नहीं है, लेकिन स्थिरता और बड़ी पारियों की क्षमता सैमसन को अलग बनाती है। गावस्कर ने सैमसन को अपनी प्लेइंग-11 में शामिल किया था। वहीं, रहाणे ने भी सैमसन को खिलाने का पक्ष लिया था। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि आने वाले महीनों में उन्हें टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में उन्हें या जितेश में से किसे मौका मिलता है।

## चैंपियंस लीग ड्रॉ : पीएसजी का सामना बायर्न, बार्सिलोना से, रियल मैड्रिड के सामने होंगे मैनचेस्टर सिटी और लिवरपूल

**पेरिस, एजेंसी।** मौजूदा चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को इस बार लीग चरण में बायर्न म्यूनिख और बार्सिलोना जैसी दिग्गज टीमों से भिड़ना होगा। वहीं रिकॉर्ड 15 बार की विजेता रियल मैड्रिड का सामना मैनचेस्टर सिटी और लिवरपूल से होगा। गुरुवार को हुए ड्रॉ ने इस सीजन को रोमांचक मुकाबलों से भर दिया है।

नए फॉर्मेट के तहत हर टीम को 8 मैच (4 घरेलू और 4 बाहर) खेलने होंगे। पीएसजी को टॉटेनहम हॉटस्पर, न्यूकैसल यूनाइटेड, अटलांटा और बायर लेवरकुज़ेन से भी भिड़ना है।

रियल मैड्रिड लगातार पांचवें सीजन में मैनचेस्टर सिटी से भिड़ेगा और लिवरपूल के खिलाफ एन्फील्ड की वापसी करेगा, जहां से ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड इस सीजन की शुरुआत में रियल में शामिल हुए थे। रियल का मुकाबला जुवेंटस और पहली बार क्वालिफाई करने वाली कज़ाखस्तान की टीम कैरात अल्माटी से भी होगा।

लिवरपूल, जिसने पिछले सीजन लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया था, इस बार इंटर मिलान, एटलेटिको मैड्रिड और आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट से खेलेगा। वहीं बायर्न म्यूनिख को चेल्सी, आर्सेनल और क्लब ब्रुग का सामना करना होगा।

मैनचेस्टर सिटी के सामने डॉर्टमुंड, लेवरकुज़ेन, नेपोली, रियल मैड्रिड और विलारियल जैसी टीमें होंगी।इंटर मिलान, जो पिछले सीजन उपविजेता रही थी, इस बार लिवरपूल, आर्सेनल, डॉर्टमुंड और एटलेटिको मैड्रिड से खेलेगी।

बार्सिलोना, जो पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थी, पीएसजी की मेजबानी करेगी और बाहर जाकर चेल्सी व न्यूकैसल से खेलेगी। आर्सेनल का भी मुकाबला बायर्न से होगा, जिसके खिलाफ वह पिछले पांच मैचों में जीत हासिल नहीं कर पाया है। प्रीमियर लीग की इस बार 6 टीमें शामिल हैं ड्ड लिवरपूल, आर्सेनल, मैन सिटी, चेल्सी, न्यूकैसल और टॉटेनहम। स्पर्स का मुकाबला डॉर्टमुंड, विलारियल और पीएसजी से होगा जबकि नेपोली को चेल्सी, सिटी, फ्रैंकफर्ट और बेन्फिका का सामना करना होगा। न्यूकैसल की वापसी कठिन होगी क्योंकि उसे बार्सिलोना, पीएसजी, बेनफिका और लेवरकुज़ेन जैसी टीमों से भिड़ना है। लीग चरण 16 सितंबर से 28 जनवरी तक खेला जाएगा जबकि नॉकआउट चरण फरवरी में शुरू होगा। फाइनल 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट स्थित पुशकास ऐरेना में होगा। इसके अलावा, चेल्सी को यूरोपीय फुटबॉल के सभी प्रमुख क्लब खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने के लिए विशेष सम्मान दिया गया। वहीं, स्वीडन के पूर्व स्ट्राइकर ज़्लाटन इब्राहिमोविच को यूईएफए प्रेसिडेंट्स अवॉर्ड से नवाज़ा गया।

## बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप: ध्रुव-तनिषा भारत के लिए पहला मिश्रित युगल पदक जीतने से चूके

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक मिश्रित युगल पदक जीतने की कोशिश शुक्रवार को पेरिस में क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गई।

इस स्पर्धा में देश के लिए पहला पदक जीतने की कोशिश में जुटी भारतीय जोड़ी को मलेशिया की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी चेन तांग जी और तोह ई वेई से 37 मिनट में 15-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। मलेशियाई जोड़ी ने सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। ध्रुव और तनिषा ने विश्व की 5वें नंबर की जोड़ी हांगकांग की तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट को 19-21, 21-12, 21-15 से हराकर अंतिम-8 के मुकाबले में प्रवेश किया था। हालांकि, विश्व की 17वें नंबर की भारतीय जोड़ी, मलेशिया की दबदबे वाली जोड़ी के खिलाफ वही प्रदर्शन नहीं दोहरा सकी। बाद में पीवी सिंधु का सामना महिला एकल में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी से होगा।

## 'फोस्टेरिंग मेंटरशिप इन एजुकेशन : ए पाथवे टू इक्विटी' विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस 29 अगस्त

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** नीति आयोग भारत सरकार द्वारा कल शुक्रवार 29 अगस्त को ''फोस्टेरिंग मेंटरशिप इन एजुकेशन- ए पाथवे टू इक्विटी'' विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का सुबह 9 बजे से राजधानी रायपुर स्थित होटल कोर्टयार्ड बाय मेरियट में आयोजित होगा। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के सचिवों सहित 120 वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। यह जानकारी आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय द्वारा दी गई है।

## स्वच्छता के संग सशक्तिकरण: दीदियां संभाल रही गांव-शहर में स्वच्छता की जिम्मेदारी

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के साथ ही बाजार परिसर, समुदायिक स्थलों, चौक-चौराहों की साफ-सफाई कार्य जारी है। इसी कड़ी में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के ताम्बेश्वरनगर के बाजार परिसर में सफाई करते हुए कचरा संग्रहण किया गया।

ग्रामीण एवं नगरीय निकाय में डोर-टू-डोर सूखा एवं गीला कचरा घरों से एकत्रित किया जा रहा है, ताकि कचरे का निपटारा योजनाबद्ध तरीके से किया जा सके। समूहों की महिलाएं डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के साथ अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों को क्रियान्वयन कर रही हैं। साथ ही दीदियों के द्वारा जन-जागरूकता बढ़ाने के लिये आम नागरिकों को स्वच्छ भारत मिशन के महत्वों को बताते हुए गीले एवं सूखे कचरे को अलग करने के बारे में जानकारी देते हुए अपने आस-पास के क्षेत्र में सफाई रखने का आग्रह किया गया।

स्वच्छाग्राही दीदियां बताती है कि पहले लोग कचरा लेने पर गंभीरता से नहीं लेते थे। लेकिन अब जागरूकता बढ़ी है। लोगों को समझ है कि गिला और सूखा कचरा अलग करने में सफाई में आसानी होती है। साथ ही बिमारियों से बचाव भी होता है। वे बताती हैं कि हम महिलाएं पहले सिर्फ अपने घरों का ही काम करती थी। लेकिन अब गांव, शहर का साफ-सफाई का जिम्मा भी हमें मिला है। इससे हमें आय भी मिलती है।

शासन-प्रशासन का प्रयास है कि प्रधानमंत्री के मंशानुरूप स्वच्छता के क्षेत्र में जिला, राज्य, देश मिसाल बने। इसके लिए हर नागरिक को स्वच्छता के क्षेत्र में सहयोग करते हुए सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।

## कांकेर जिले में नया पर्यटन केन्द्र बनकर उभर रहा 'धारपारूम'

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** प्राकृतिक सौंदर्य और नैसर्गिक खूबसूरती से परिपूर्ण कांकेर जिले में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। जिले की पहाड़ियों और वनों के बीच अनेक ऐसे स्थान स्थित हैं, जो अपनी अनूठी प्राकृतिक विशेषताओं से सैलानियों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। इन्हीं स्थलों में से एक नया पर्यटन स्थल 'धारपारूम' है, जो अपनी मनोरम घाटियों, व्यू प्वॉइंट, प्राकृतिक झरने और गुफाओं के कारण पर्यटकों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

कांकेर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पीढ़ापाल के समीप स्थित धारपारूम, जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पहाड़ियों से घिरा यह क्षेत्र प्राकृतिक छटा से परिपूर्ण है। यहां घाटीनुमा संरचना के साथ-साथ प्राकृतिक झरना, गुफा तथा पुरातात्विक महत्व के शैलचित्र भी देखने को मिलते हैं। वर्तमान में इस स्थल का संचालन एवं प्रबंधन सामुदायिक स्तर पर ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों की सहभागिता से यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं।

कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने धारपारूम क्षेत्र का अवलोकन करने के बाद इसे नवीन पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल करने की बात कही है। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर क्षेत्र की पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी भी प्राप्त की।

गौरतलब है कि हाल ही में कुछ मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा इस क्षेत्र का भ्रमण कर इसके दृश्य सोशल मीडिया पर साझा किए गए, जिसके बाद यहां पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सैलानियों का मानना है कि धारपारूम को केशकाल के टाटामारी से भी बड़ा हिल प्लेस के रूप में विकसित किया जा सकता है। धारपारूम का प्राकृतिक वैभव और इसकी अनुपम भौगोलिक संरचना इसे कांकेर जिले का उभरता हुआ पर्यटन स्थल बना रही है। प्रशासनिक सहयोग और ग्रामीणों की भागीदारी से यह क्षेत्र निकट भविष्य में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनायेगा।

## अंबिकापुर में दो दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता शुरू

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** सरगुजा संभाग स्तरीय दो दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता (एथलेटिक्स) का शुभारंभ आज पीजी कॉलेज खेल मैदान में कलेक्टर श्री विलास भोसकर द्वारा किया गया। कलेक्टर श्री भोसकर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यालय स्तर की ये प्रतियोगिताएं प्रतिभाओं को निखारने और भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, निष्ठा और निरंतर अभ्यास के साथ खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस प्रतियोगिता में संभाग के सभी जिलों से 14, 17 एवं 19 वर्षीय बालक-बालिकाओं सहित कुल 432 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। दो दिवसीय प्रतियोगिता के अंतर्गत एथलेटिक्स की विभिन्न विधाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें दौड़ वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3 हजार मीटर एवं 5 हजार मीटर दौड़ शामिल हैं। इसी प्रकार फेंक स्पर्धा में गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेंक एवं हमर फेंक का आयोजन होगा। वहीं कूद स्पर्धा में लंबी कूद, ऊंची कूद तथा ट्रिपल जंप (त्रिकूद) की प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिता की शुरुआत 400 मीटर दौड़ से हुई, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

## कचरा प्रबंधन हेतु 6.26 करोड़ रुपये नगर निगम चिरमिरी को मंजूर

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन तथा उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रयासों से स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (स्क्षष्ट) की 8वीं बैठक में चिरमिरी नगर पालिक निगम क्षेत्र में सूखे और गीले कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए आधुनिक संयंत्र स्थापित करने तथा संयंत्रों के उन्नयन एवं विकास की योजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर कुल 6 करोड़ 26 लाख 27 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। स्वीकृत परियोजना के तहत सूखे कचरे के लिए उन्नयन एवं विकास हेतु 12 एमआरएफ प्लांट तथा गीले कचरे हेतु 12 नवीन विंड्रो कंपोस्ट प्लांट की स्थापना की जाएगी। संयंत्र निर्माण, उपकरण लागत और अतिरिक्त कार्यों को मिलाकर परियोजना की कुल लागत 4 करोड़ 51 लाख रुपए होगी, जबकि पांच साल के संचालन व संधारण पर 1 करोड़ 75 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस बड़ी पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव का क्षेत्र की जनता की तरफ से आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि इस परियोजना के जरिए चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में कचरा निस्तारण और रीसाइक्लिंग को नई दिशा मिलेगी। इससे शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने में मदद मिलेगी।

# अटल जी के आशीर्वाद से तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़: उप मुख्यमंत्री

### रतनपुर में 4 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू तथा उप मुख्यमंत्री और बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज रतनपुर नगर पालिका में 4 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें एक करोड़ 67 लाख 70 हजार रुपए की लागत से नगर पालिका के नवीन कार्यालय का भूमिपूजन, 30 लाख रुपए की लागत से अटल परिसर निर्माण एवं 48 लाख 66 हजार रुपए की लागत से आश्रय स्थल का लोकार्पण शामिल हैं। रतनपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत एक करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से 76 कार्य स्वीकृत हुए हैं। दोनों अतिथियों ने इनमें से 5-5 हितग्राहियों को अनुज्ञा पत्र और पूर्ण हो चुके आवास के लिए आवास की चाबी सौंपी। कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, रतनपुर नगर पालिका अध्यक्ष श्री लवकुश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी भी शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि आज हमने अटल परिसर का लोकार्पण किया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल जी का व्यक्तित्व सबसे ऊंचा है। उन्हें विपक्ष के लोग भी सम्मान देते थे। गांव में विकास की क्रांति लाने में उनका अमूल्य योगदान है। उन्होंने किसानों को साहूकारों के चंगुल से छुटकारा दिलाया। किसान क्रेडिट योजना किसानों के लिए वरदान साबित हुई। श्री साहू ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से सभी को फायदा हुआ है। रतनपुर को तालाबों की नगरी कहा जाता है। तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए हम कार्य कर रहे हैं। रतनपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। छत्तीसगढ़ की प्राचीन राजधानी और आदिशक्ति मां महामाया धाम में हमने आज अटल परिसर का लोकार्पण किया है। हमारी सरकार सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर बना रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि अटल जी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। आज यदि छत्तीसगढ़ विकास की ओर बढ़ रहा है तो अटल जी के कारण ही बढ़ रहा है। उन्होंने गांवों, गरीबों और किसानों की तरक्की के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। श्री साव ने रतनपुर में विकास कार्यों के लिए 4 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने नगर पालिका के पदाधिकारियों और अधिकारियों से कहा कि आप लोग तुरंत प्रस्ताव बनाकर भेजिए। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा तत्काल इन प्रस्तावों को मंजूर कर राशि जारी की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि इस वर्ष को हमने अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रतनपुर में हमने भीषण पेयजल के संकट को दूर किया है। हमारी सरकार बनने के बाद यहां लगातार विकास के काम हो रहे हैं। यहां लगभग 2900 आवास स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 2296 आवास पूर्ण हो चुके हैं। रतनपुर के वैभव के अनुरूप ही इसे संवारने के लिए हमने वृहद कार्ययोजना बनाई है। कार्यक्रम में उन्होंने रतनपुर के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया और किताब का भी विमोचन किया।

लोकार्पण भूमिपूजन कार्यक्रम को बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला और कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती बीनू निराला, कोटा जनपद अध्यक्ष श्रीमती सूरज साधेलाल भारद्वाज, सीएमओ श्री के.के. पटेल, श्री रामदेव कुमावत, श्री दीपक सिंह और श्री मोहित जायसवाल सहित पार्षदगण, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

# कैदियों ने पुष्प की अभिलाषा का किया सामूहिक पाठ

### उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव कविता पाठ समारोह में हुए शामिल, कहा कविता से देश और समाज के लिए काम करने की मिलती है प्रेरणा

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध कवि स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित कालजयी कविता 'पुष्प की अभिलाषा' का आज केन्द्रीय जेल बिलासपुर में सामूहिक पाठ किया गया। स्वर्गीय चतुर्वेदी ने बिलासपुर केन्द्रीय जेल में निरूद्ध रहने के दौरान 18 फरवरी 1922 को इस देशभक्तिपूर्ण काव्य की रचना की थी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव की मौजूदगी में कैदियों ने इसका सामूहिक पाठ किया। केन्द्रीय जेल प्रशासन द्वारा एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र समूह के सहयोग से इस प्रेरणादायी कविता पाठ समारोह का आयोजन किया गया था। विधायक सुशांत शुक्ला, वरिष्ठ साहित्यकार सतीश जायसवाल तथा संपादक एवं कवि देवेन्द्र कुमार सहित जेल प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कैदी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समारोह में 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से मशहूर साहित्यकार स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के इस ऐतिहासिक जेल में देशभक्त साहित्यकार माखनलाल चतुर्वेदी के प्रति श्रद्धा एवं आदरभाव व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए हैं। देश के लिए बलिदान का क्या महत्व है, इस कालजयी रचना के जरिए बताया गया है। उन्होंने कहा कि एक फूल की इच्छा है कि वह सम्राट अथवा देवता के सिर पर नहीं, बल्कि उस मार्ग में सेनानियों के पैरों तले कुचला जाना मंजूर करता है जिस पथ से होकर सेनानी देश को आजाद करने की लड़ाई में आगे बढ़ें। यह देश के लिए महती त्याग और बलिदान की भावना है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चतुर्वेदी की आजादी की लड़ाई में बड़ी भूमिका थी। देशभक्ति की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी थी। वे 5 जुलाई 1921 से 1 मार्च 1922 तक सात माह 27 दिन इस जेल में निरूद्ध रहे। इसी जेल में रहकर उन्होंने 18 फरवरी 2022 को यह कालजयी रचना सेनानियों को सौंपी थी। बिलासपुर के साथ ही संपूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए यह कविता बड़ी धरोहर है। इससे हम सबको अच्छा काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

साव ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी प्रकाण्ड विद्वान और देशभक्त थे। 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से उन्हें जाना जाता है। देश की आजादी के बाद उन्हें प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया। 'पुष्प की अभिलाषा' शीर्षक से रचित कविता का एक-एक शब्द देशभक्ति के भावों से भरा हुआ है। यह हम सबको देश और समाज के लिए समर्पण भाव से काम करने के लिए प्रेरित करता है। दीपक सिंह, मोहित जायसवाल और जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी भी समारोह में मौजूद थे।

# नगर निगम में स्वच्छता का हाल- बेहाल

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी, (निप्र)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के सपने को चिरमिरी नगर निगम में पलीता लगता दिख रहा है। एक तरफ जहां निगम द्वारा घर-घर से सूखा और गीला कचरा इकट्ठा किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ इस कचरे को आबादी वाले इलाकों के पास ही डंप किया जा रहा है। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।नगर निगम के स्वच्छता दीदी घर-घर जाकर सूखा और गीला कचरा अलग-अलग लेती हैं। इस कचरे को एसएलआरएम सेंटर ले जाया जाता है। सूखे कचरे को तो छांट लिया जाता है, लेकिन गीले कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो रही है। परिणामस्वरूप, गीले कचरे को स्वच्छता वाहनों में भरकर कालीबाड़ी से महज 100 मीटर की दूरी पर ही डंप किया जा रहा है।इस डंपिंग से पूरे क्षेत्र में असहनीय बदबू फैल रही है, जिससे स्थानीय निवासियों का जीना दूभर हो गया है। इसके अलावा, इस कचरे के ढेर से संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बनी हुई है। गौरतलब है कि चिरमिरी के छोटा बाजार क्षेत्र में पहले से ही पीलिया का प्रकोप है, और ऐसे में निगम द्वारा आबादी के पास ही कचरा डंप करना बीमारियों को न्योता देने जैसा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ओर सरकार स्वच्छ भारत बनाने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर नगर निगम चिरमिरी के इस रवैये से लोगों का स्वास्थ्य खतरे में है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस खबर के सामने आने के बाद नगर निगम प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब ध्यान देता है और क्या कोई ठोस कदम उठाता है।

# अब बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं

### जीपीएम जिले के पंप संचालकों ने उठाया कदम

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में सड़क हादसों को कम करने और लोगों की जान बचाने के लिए अब प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी और पुलिस अधीक्षक श्री एस.आर. भगत की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में हुई बैठक में तय किया गया कि अब जिले के सभी पेट्रोल-डीजल पंपों पर नो हेलमेट-नो पेट्रोल नियम सख्ती से लागू किया जाएगा।

बैठक में सभी पंप संचालकों ने इस फैसले का स्वागत किया और सहमति जताई। तय हुआ कि आने वाले एक हफ्ते तक जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को समझाया जाएगा कि पेट्रोल लेने के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। इसके लिए सभी पंपों पर चेतावनी वाले फ्लैक्स लगाए जाएंगे और चौक-चौराहों पर भी घोषणाएं की जाएंगी। इसके बाद प्रशासन हेलमेट की अनिवार्यता को सख्ती से लागू करेगा।

बैठक में मानवता की सेवा के लिए जिला रेडक्रॉस सोसायटी की सदस्यता लेने पर भी चर्चा हुई। इसमें सभी पंप संचालकों ने 1000 रुपये शुल्क जमा कर आजीवन सदस्यता ली। इसके साथ ही, गौरेला के मथुरा पेट्रोल पंप संचालक उमेश अग्रवाल और पेंड्रा के काव्या पेट्रोल पंप संचालक आदित्य साहू ने 25 हजार रुपये सेवा शुल्क देकर संरक्षक सदस्यता भी ग्रहण की।

# छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव 2025, गोदारीपारा व चिरमिरी स्कूल में बेटियों को मिली साइबर सुरक्षा की सीख

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव 2025 की श्रृंखला और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोदारीपारा एवं स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल चिरमिरी में साइबर सुरक्षा संबंधी विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग की अन्य योजनाओं की भी जानकारी दी गई। बालिकाओं के लिए विशेष जागरूकता एवं प्रतियोगिता कार्यक्रम का यह भव्य आयोजन कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार खाती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा (मिशन शक्ति-हब) द्वारा किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराना और उन्हें डिजिटल युग में सुरक्षित बनाए रखने हेतु आवश्यक कौशल एवं जागरूकता प्रदान करना रहा। विशेषज्ञों ने छात्राओं को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी और सोशल मीडिया से जुड़े संभावित खतरों एवं उनके बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्हें आपातकालीन सेवाओं जैसे 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और 1930 साइबर फ्रॉड शिकायत हेल्पलाइन से भी अवगत कराया गया। छात्राओं को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में ये नंबर त्वरित और प्रभावी सहायता का माध्यम हैं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण साइबर सुरक्षा पर निबंध प्रतियोगिता रहा जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने अपने विचारों के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा के प्रति अपनी समझ और दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता ने बालिकाओं की जागरूकता का आकलन करने के साथ-साथ उन्हें और अधिक संवेदनशील, सतर्क तथा आत्मविश्वासी भी बनाया। कार्यक्रम ने सुरक्षित और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग का स्पष्ट संदेश दिया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की पूरी टीम सक्रिय रही। मिशन शक्ति से अनीता कुमारी साह, सखी वन-स्टॉप सेंटर से प्रियंका राजवाड़े व सुप्रिया ठाकुर, कन्या स्कूल के प्राचार्य भारत जायसवाल, स्वामी आत्मानंद इंग्लिस स्कूल के प्राचार्य डी. के. उपाध्यक्ष, थाना स्टाफ एवं अन्य अधिकारियों ने सक्रिय सहयोग दिया। उनके मार्गदर्शन और सहभागिता से छात्राओं को सहज और प्रेरणादायी वातावरण में साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करने का अवसर मिला।

# श्री रामलला दर्शन योजना: आस्था, संस्कृति और सामाजिक चेतना का संगम

### अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला जशपुर जिले के 1632 रामभक्तों को

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई श्री रामलला दर्शन योजना न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता का भी प्रतीक बन चुकी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के नागरिकों को अयोध्या में स्थित भगवान श्री रामलला के दर्शन का सुअवसर प्रदान करना है। योजना की औपचारिक शुरुआत 5 मार्च 2024 को रायपुर से हुई थी, जब मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। जशपुर जिले में योजना प्रारंभ से अब तक 1632 रामभक्तों ने अयोध्या जाकर भगवान श्री राम का दर्शन लाभ ले चुके हैं। जिसमें जनपद पंचायत क्षेत्र जशपुर से 134 जनपद पंचायत क्षेत्र मनोरा से 95 रामभक्त शामिल हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत क्षेत्र बगीचा से 168, नगर पालिका क्षेत्र जशपुर से 83, नगर पंचायत क्षेत्र बगीचा से 58, जनपद पंचायत क्षेत्र कुनकुरी से 172, जनपद पंचायत क्षेत्र दुलदुला से 110, जनपद पंचायत क्षेत्र फरसाबहार से 179, नगर पंचायत क्षेत्र कुनकुरी से 109, जनपद पंचायत क्षेत्र पत्थलगांव से 220, जनपद पंचायत क्षेत्र कांसाबेल से 165 राम भक्त शामिल हैं स नगर पालिका क्षेत्र पत्थलगांव से 82 और नगर पंचायत क्षेत्र कोतबा से 57 रामभक्त अयोध्या में भगवान श्री राम का दर्शन कर चुके हैं।

रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलता है, जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां रहने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहती है। छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है, यहां के लोग उन्हें भांचा राम के नाम से भी जानते हैं। भगवान श्री राम के प्रति आस्था प्रदेश के कण-कण में व्याप्त है। अयोध्या में भगवान श्री राम के दर्शन के बाद लोग अपने आप को धन्य महसूस करते हैं। दर्शन के बाद रामभक्तों के चेहरे पर झलकती संतुष्टि और आत्मिक खुशी शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उनकी सरकार के प्रति कृतज्ञता का भाव उनमें साफ झलकता है। श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश की नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने और श्री राम के आदर्शों को सामाजिक चेतना में पुनः स्थापित करने का सशक्त माध्यम बन रही है। ट्रेन रवाना करते समय बजते भजन, भगवान श्री राम की जयकारे की गूंज, यात्रियों के चेहरे से झलकती खुशी आस्था और सांस्कृतिक उत्सव का वातावरण रचते हैं।

श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धा, आस्था और भक्ति का ऐसा आध्यात्मिक अभियान है, जो छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन में नए उत्साह और विश्वास का संचार कर रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा